कोटद्वार, मंगलवार
10 जुलाई 2024
वर्ष: 46
अंक: 76 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

बंद होनी चाहिए अग्निवीर योजना, राहुल गांधी से बोलीं शहीद की मां

रायबरेली , लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज लोकसभा क्षेत्र रायबरेली का दौरा किया।?विपक्ष का नेता बनने के बाद कांग्रेस नेता का यह पहला संसदीय क्षेत्र का दौरा है। इस दौरान उन्होंने शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह के पिता रवि प्रताप सिंह और उनकी मां मंजू सिंह से मुलाकात की।?ये परिवार यूपी के देवरिया का रहने वाला है।

शहीद अंशुमान को बीते दिनों राष्ट्रपति से कीर्ति चक्रमिल चुका है। राहुल गांधी से मुलाकात के बाद बाहर निकलीं शहीद कैप्टन अंशुमान की मां मंजू सिंह ने कहा कि, देश में दो तरह की फौज नहीं होनी चाहिए।?अग्निवीर योजना पर विचार होना चाहिए, मैं सरकार से अपील करती हूं की इस योजना में बहुत बदलाव होना चाहिए। फौजी बनने के लिए बहुत मजबूत बनना होता है और यहां चार साल में ही सब खत्म हो जाएगा, इसलिए इस योजना को बंद कर देना चाहिए।

स्पा सेंटर की आड़ में चल रहा था देह व्यापार

देहरादून। दून में जीएमएस रोड स्थित एक स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार चल रहा था। पुलिस ने सोमवार को छापेमारी कर स्पा सेंटर संचालक, महिला मैनेजर समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान पांच महिलाओं का रेस्क्यू किया गया। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि बसंत विहार क्षेत्र में स्पा सेंटर में देह व्यापार की गोपनीय सूचना मिली थी। इसपर एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट, थाना बसंत विहार पुलिस की सयुंक्त टीम गठित की गई थी। सोमवार को जीएमएस रोड स्थित रिलेक्स जोन स्पा एंड सैलून में छापेमारी की गई। इस दौरान स्पा सेंटर के दो अलग–अलग कमरों में दो महिला, दो पुरुष आपत्तिजनक स्थिति में मिले। पुलिस ने मौके से आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की। एसएसपी ने बताया कि स्पा सेंटर के अलग कमरे में 03 अन्य महिलाएं भी मौजूद मिली। पुलिस ने स्पा सेंटर के संचालक उस्मान पुत्र मोहम्मद अली निवासी ग्राम हरजोली झोझा झबरेड़ा, हरिद्वार और मैनेजर अनु पुत्री सुरेश सिंह निवासी ग्राम थिथिकी कवादपुर मंगलौर हरिद्वार, शादाब पुत्र शमशाद खान निवासी परवल निकट जामा मस्जिद पटेलनगर देहरादून, इम्माराजी श्रीणिवासुलु पुत्र इम्माराजू प्रकाशाम आंध्रप्रदेश को गिरफ्तार कर लिया है। उनके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दिया गया है।

कड़ी सुरक्षा के बीच आज होगा मंगलौर में मतदान

रुड़की। कड़ी सुरक्षा के बीच मंगलौर विधानसभा उपचुनाव के लिए आज मतदान होगा। इसके लिए सभी केंद्रों पर पोलिंग पार्टियां पहुंच गई हैं। जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट ने मंगलवार को विधानसभा क्षेत्र के सभी 132 बूथों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को चाक–चौबंद रखने के दिशा निर्देश दिए। सोमवार शाम को प्रचार थमने के साथ ही पुलिस और प्रशासन मतदान की तैयारी में लगा था। नगर पालिका प्रशासन ने नगर के सभी मतदान केंद्रों पर सफाई व्यवस्था चाक चौबंद की। इसके बाद गर्मी के मौसम को देखते हुए मतदान केंद्रों पर शामियाने लगाए गए। पुलिस क्षेत्राधिकारी मंगलौर विवेक कुमार ने बताया कि क्षेत्र में शांतिपूर्ण मतदान कराने के लिए सभी प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने क्षेत्र की जनता से अपील करते हुए कहा कि वह निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान के लिए पुलिस को सहयोग करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर नागरिक पुलिस के साथ पीएसी और अर्धसैनिक बलों के जवानों को तैनात किया गया है। शांति भंग करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। कहा कि मतदान केंद्रों पर अनावश्यक रूप से भीड़ जमा नहीं होने दी जाएगी। बुजुर्ग, दिव्यांग मतदाताओं के लिए प्रत्येक मतदान केंद्र पर अतिरिक्त व्यवस्था की गई है। सभी मतदान केंद्रों पर पेयजल आदि की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है, ताकि मतदाताओं को परेशानियों का सामना न करना पड़े। विधानसभा उपचुनाव के लिए बुधवार को होने वाले मतदान में कुल एक लाख 19 हजार 930 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 255 सर्विस मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग पहले ही कर लिया है। विधानसभा उपचुनाव के लिए क्षेत्र में 64 मतदान केंद्रों में कुल 132 मतदेय स्थल बनाए गए हैं।

शहीद अनुज नेगी व कमल सिंह का पार्थिव शरीर कोटद्वार पहुंचा

● दोपहर में पत्नी से हुई थी वीडियो कॉल पर बात, देर शाम आई बलिदान की सूचना

शहीद कमल सिंह

शहीद अनुज नेगी

नवंबर में हुई थी शहीद अनुज नेगी की शादी

जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में सेना के गश्ती दल पर हुए आतंकी हमले में शहीद हुए प्रखंड रिखणीखाल के अंतर्गत ग्राम डोबरिया निवासी अनुज नेगी के परिवार में मातम का माहौल छाया हुआ है। अनुज के घर में उनके माता–पिता, पत्नी व छोटी बहन हैं। बीते वर्ष नवंबर माह में अनुज का विवाह हुआ था। अनुज मई माह के अंत में ही छुट्टी काटकर ड्यूटी पर वापस लौटे थे। बलिदान की खबर के बाद उनके घर में कोहराम मच गया है। उनके स्वजन का रो–रोकर बुरा हाल है।

कोटद्वार पहुंचे पार्थिव शरीर

जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में शहीद हुए अनुज नेगी व कमल सिंह का पार्थिव शरीर देर शाम सेना के हॉलीकॉप्टर से कोटद्वार पहुंचा। ग्रास्टनगंज स्थिति मैदान में लैंसडौन विधायक दिलीप रावत व भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह रावत सहित सैना के अधिकारियों ने वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके उपरांत पार्थिव शरीरों को राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में रखा गया। यहां से बुधवार सुबह शहीदों के गांव उनके पार्थिव शरीर को पहुंचाया जाएगा।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मूल रूप से ग्राम नौदानू निवासी हवलदार कमल सिंह की पत्नी व दोनों बच्चे कोटद्वार के पदमपुर में किराए के कमरे में रहते हैं। कमल सिंह प्रतिदिन अपनी पत्नी को फोन कर बच्चों के बारे में पूछा करते थे। सोमवार दोपहर करीब एक बजे उन्होंने अपनी पत्नी को वीडियो कॉल किया था। उन्होंने पत्नी को बताया था कि वह गश्त पर निकल रहे हैं। लेकिन, चंद घंटे के बाद ही देर शाम को उनके बलिदान की सूचना मिली।

कमल सिंह 22 गढ़वाल राइफल में तैनात थे। 20 जून को ही वह क्षेत्र में संपन्न हुई पूजा में शामिल होकर वापस ड्यूटी पर लौटे थे। मां भारती के लिए शहीद हुए कमल अपने घर के इकलौता चिरागा थे। उनकी तीन बहने हैं। जिनकी शादी पूर्व में हो चुकी है। कुछ वर्ष पूर्व कमल के पिता का देहांत हो गया था। घर पर उनकी माता और दादी रहती है। अपनी दोनों बेटियों को बेहतर शिक्षा देने के लिए इस गर्मी में ही कमल ने अपने बच्चों को कोटद्वार शिफ्ट किया था। मां भारती के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले कमल गांव में भी सबके चहेते थे। उनके बलिदान की खबर से पूरे गांव में शोक की लहर हैं। हर कोई बलिदानी के अंतिम दर्शन के लिए उनके गांव पहुंच रहा है।

कोटद्वार पहुंचा शहीद कमल सिंह व अनुज नेगी का पर्थिव शरीर

रिखणीखाल के अनुज व लैंसडौन के कमल ने दिया सर्वोच्च बलिदान

बुधवार को पैतृक गांव पहुंचेगा राइफलमैन अनुज नेगी व हवलदार कमल बिष्ट का पार्थिव शरीर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जम्मू-कश्मीर के कठुआ में हुए आतंकी हमले में उत्तराखंड के पांच जवान शहीद हो गए। रिखणीखाल निवासी राइफलमैन अनुज नेगी व लैंसडौन निवासी हवलदार कमल सिंह ने भी देश की रक्षा में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। तीन अन्य बलिदानियों में रुद्रप्रयाग निवासी नायब सूबेदार आनंद सिंह, टिहरी गढ़वाल निवासी नायक विनोद सिंह और टिहरी के थाती दांगल निवासी राइफलमैन आदर्श नेगी शामिल हैं।

बलिदानी अनुज व कमल का पार्थिव शरीर बुधवार को उनके पैतृक गांव पहुंचेगा।

मुख्यमंत्री ने नम आंखों से दी उत्तराखंड के वीर सपूतों को श्रद्धांजलि

● वीर सपूतों के बलिदान को याद कर भावुक हुए मुख्यमंत्री

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : जम्मू के कठुआ में शहीद हुए उत्तराखंड के पांच जवानों के पार्थिव शरीर मंगलवार को जॉलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पांचों शाहिद जवानों के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर संपूर्ण राज्य की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने वीर सपूतों के बलिदान को याद कर मुख्यमंत्री भावुक नज़र आए।मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हम सभी प्रदेशवासियों के लिए अत्यंत पीड़ा का क्षण है क्योंकि हमने भाई और बेटा भी खोया है। हमारे रणबाँकुरों ने उत्तराखण्ड की समृद्ध सैन्य परंपरा का पालन करते हुए माँ भारती के चरणों में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।मुख्यमंत्री ने कहा कि माँ भारती की रक्षा करते हुए आतंकवाद के विरुद्ध हमारे वीर जवानों का यह सर्वोच्च बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। इस कायरतापूर्ण हमले के दोषी, मानवता के दुश्मन आतंकवादी किसी भी क़ीमत पर बख्शे नहीं जाएंगे और इनको पनाह देने वाले लोगों को भी इसके परिणाम भुगतने होंगे। सैन्यभूमि उत्तराखण्ड वीर सैनिकों को जन्म देने वाली भूमि है। यहां के जवानों ने सदैव माँ भारती की सेवा में अपने प्राणों की आहुति देकर अपने राष्ट्र धर्म का निर्वहन किया है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी शहीदों को श्रद्धाजंलि देते हुए।

बिजली ट्रांसमिशन लाइनों का 50 साल का तैयार होगा प्लान

देहरादून। उत्तराखंड पॉवर ट्रांसमिशन नेटवर्क को अगले 50 साल की जरूरतों को देखते हुए तैयार किया जाएगा। मंगलवार को पिटकुल बोर्ड बैठक में पांच साल का प्लान रखा गया। तय हुआ कि प्लान को नए सिरे से तैयार किया जाए। इसे तीन श्रेणियों में तैयार किया जाए। अल्प, मध्य और दीर्घकालीन श्रेणियों में बांटते हुए प्लानिंग की जाए। पिटकुल मुख्यालय में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी की अध्यक्षता में हुई बोर्ड बैठक में नए बिजली सब स्टेशन, नई बिजली लाइनों और पुराने सब स्टेशन और लाइनों की क्षमता वृद्धि का प्लान रखा गया। बताया गया कि राज्य में तेजी से बढ़ती बिजली की मांग, तेजी से बढ़ते बिजली उत्पादन, औद्योगिक निवेश को देखते हुए बिजली का मजबूत ट्रांसमिशन नेटवर्क तैयार किया जाना बेहद जरूरी है। इसी साल गर्मियों में बिजली की मांग बढ़ने से मौजूदा ट्रांसमिशन और सप्लाई सिस्टम पर लोड बढ़ा। इस बढ़े हुए लोड को ध्यान में रखते हुए भविष्य के लिए मजबूत नेटवर्क तैयार किया जाना है। बोर्ड ने तय किया कि प्लान को आगामी 50 साल की जरूरतों को देखते हुए तीन श्रेणियों में तैयार किया जाए। पहली श्रेणी में अल्प अवधि का प्लान बनेगा। इसमें तात्कालिक जरूरतों को जल्द से जल्द पूरा करने की प्लानिंग होगी। दूसरी श्रेणी में मध्य अवधि का प्लान तैयार होगा। इसमें आगामी पांच से दस साल के बीच की जरूरतों के लिहाज से प्लान तैयार होगी। तीसरी दीर्घकालीन श्रेणी में लंबी अवधि की प्लानिंग होगी।

अमेठी : पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, बस सवार 5 लोगों की मौत

अमेठी , उत्तर प्रदेश के अमेठी से गुजरने वाले पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के माइलस्टोन 68 .8 के पर बस और अज्ञात वाहन के बीच जोरदार टक्कर हुई। इससे बस में सवार 5 लोगों की मौत हो गई जबकि एक दर्जन यात्री घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक प्राइवेट बस दिल्ली से बिहार के सिवान जा रही थी। रात करीब 2 बजे ये दर्दनाक हादसा हुआ। जब यात्री बस एक अज्ञात वाहन में जा घुसी। इस हादसे में घायल यात्रियों का इलाज जिला अस्पताल समेत नजदीकी सीएचसी में किया जा रहा है। दुर्घटना की सूचना पर एसपी, एएसपी समेत सीओ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। पुलिस ने बताया कि हादसा शुक्ल बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत माइलस्टोन 68 .8 के पर हुआ। पुष्टि की कि हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई जबकि घायलों को जिला अस्पताल और नजदीकी सीएचसी में भर्ती कराया गया। वहीं, अमेठी से ही गुजरने वाले प्रयागराज –सुल्तानपुर हाईवे पर मंगलवार तडक़े हादसा हुआ। जिसमें तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे खड़ी ट्रक में जा घुसी।

भू-कटाव पर रोक लगाने के लिए ठोस नीति बनाएं : धामी

मानसून सीजन में सभी अधिकारी 24 घण्टे अलर्ट मोड पर रहें

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को हल्द्वानी में गौला नदी से हुए भू-कटाव का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सिंचाई विभाग को गौला नदी के 500 मीटर भाग में चैनलाइजेशन, वायर क्रेट और सुरक्षात्मक कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिलाधिकारी नैनीताल को निर्देश दिये कि हल्द्वानी स्थित अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम को भू-कटाव से बचाव के लिए सुरक्षात्मक उपायों के लिए ठोस नीति बनाकर कार्य किये जाएं। उन्होंने कहा कि इसके लिए शासन स्तर जो भी वित्तीय स्वीकृति के लिए आवश्यकता होगी, शीघ्र उपलब्ध कराई जायेगी। मुख्यमंत्री ने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिये कि निर्माण कार्यों में सुनियोजित विकास के नाम पर हो रहे निर्माण से किसी अन्य भौगोलिक, प्राकृतिक संरचना को कोई खतरा न हो, इसके लिए निकासी योजना को प्राथमिकता देते हुए योजना का क्रियान्वयन किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि मानसून सीजन में आपदा प्रबंधन की दृष्टि से सभी अधिकारी 24 घण्टे अलर्ट मोड पर रहें। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा से होने वाले प्रभावों को न्यून करना हम सबका दायित्व है, इसके लिए सभी विभाग अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में निरंतर पेयजल, विद्युत, सड़क कनेक्टिविटी एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की नियमित मॉनिटरिंग करें। किसी भी क्षेत्र में अतिवृष्टि की सूचना प्राप्त होते ही तत्काल टीम को भेजकर यथासंभव राहत बचाव कार्य किये जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि राहत एवं बचाव कार्यों के लिए प्रभावितों को मौके पर ही राहत सामग्री और अनुमन्य राशि दी जा सके। जिलाधिकारी नैनीताल वंदना सिंह ने बताया कि सिंचाई विभाग द्वारा दीर्घालिक कार्यों के लिए 200 मीटर के भू-कटाव से रोकथाम की 02 करोड़ 60 लाख लागत की डीपीआर शासन को भेजी गई है, जो कि स्वीकृति के चरण पर है। अतिवृष्टि के कारण अब लगभग कुल 600 मीटर का भू कटाव हो गया। अतिरिक्त 400 मीटर भाग की डीपीआर शीघ्र तैयार कर शासन को भेजी जा रही है। इस अवसर पर विधायक डा. मोहन सिंह बिष्ट, कृषि उत्पादन एवं विपणन बोर्ड मंडी के अध्यक्ष डॉ. अनिल कपूर डब्बू, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पीएन मीणा एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

युवक को डॉक्टरों ने किया मृत घोषित, शव गृह पहुंचते ही युवक की चलने लगी सांसें

हरिद्वार : उत्तराखंड में एक बहुत ही हैरान करने वाला मामला सामने आया है। सड़क हादसे में डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया था। रोते-बिलखते परिजन युवक को शव गृह में लेकर पहुंचे। जैसी ही शव गृह का दरवाजा खुला तो परिजन भी पूरी तरह से हैरान हो गए। मृत घोषित युवक की फिर से सांसे चलने लगीं थीं। इलाज करवाने के लिए परिजन उसे एम्स ऋषिकेश लेकर चले गए। यह पूरा हैरान करने वाला मामला हरिद्वार जिले में सामने आया है।

सड़क हादसे में घायल युवक को रविवार रात चिकित्सकों की ओर से मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस और परिजन युवक के शव को लेकर मोर्चरी में गई तो युवक की सांसें चलने लगी। युवक को तुरंत एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है, जहां पर उसका उपचार चल रहा है। वहीं हादसे में मृत दूसरे युवक के शव को पोस्टमार्टम के बाद उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

पुलिस के अनुसार रविवार रात गांव गढ़ निवासी इरफान और शहजाद बहादराबाद से वापस अपने घर लौट रहे थे। रानीपुर कोतवाली क्षेत्र के सुमननगर स्थित गढ़ मीरपुर मार्ग पर पहुंचते ही ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। बाइक सवार 22 वर्षीय युवक इरफान की मौत हो गई, जबकि शहजाद गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा होने के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर देखा तो इरफान की मौत हो चुकी थी जबकि शहजाद गंभीर रूप से घायल पड़ा था। पुलिस ने बताया कि घायल को हिमालयन अस्पताल जौलीग्रांट ले जाया गया था। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक के शव को परिजन जिला अस्पताल की मोर्चरी में लेकर गए, लेकिन उसकी सांसें चलने लगी। आनन-फानन में परिजन उसे लेकर एम्स ऋषिकेश पहुंच गए, जहां उसे भर्ती कर दिया गया। कोतवाली प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि मोर्चरी ले जाते ही शहजाद की सांसें फिर से चलने लगी। उसे तुरंत एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि दुर्घटनास्थल से फरार होने में कामयाब रहे ट्रेक्टर-ट्रॉली चालक की तलाश शुरू कर दी गई है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि हादसे में मृतक दूसरे युवक के भाई की तहरीर पर आरोपी ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। (एजेंसी)

कठुआ में आतंकी हमले के बाद जम्मू–श्रीनगर हाईवे पर सुरक्षा कड़ी

जम्मू , जम्मू–कश्मीर के कठुआ जिले में आतंकी हमले के बाद जम्मू–श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है। सोमवार को कठुआ के बदनोटा इलाके में भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने एक गश्ती दल पर घात लगाकर हमला किया था, जिसमें पांच शहीद हो गए थे और कई घायल हो गए थे।आतंकवादियों की तलाश के लिए इलाके में तुरंत एक बड़ा सीएएसओ (घेराबंदी और तलाशी अभियान) शुरू किया गया।सीएएसओ में लगे सुरक्षा बलों की ताकत बढ़ाने के लिए सेना के शीर्ष पैरा कमांडो को इलाके में हवाई मार्ग से उतारा गया।जम्मू–श्रीनगर राजमार्ग पर किसी भी आतंकी हमले को रोकने के लिए रियासी, उधमपुर और रामबन जिलों में राजमार्ग पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और जम्मू–कश्मीर पुलिस के जवानों को पर्याप्त संख्या में तैनात किया गया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब अमरनाथ यात्रा के 11वें जत्थे ने मंगलवार को जम्मू–श्रीनगर राजमार्ग पर यात्रा की। यह राजमार्ग जम्मू संभाग के रियासी, उधमपुर और रामबन जिलों से होकर गुजरता है।

कठुआ आतंकी हमला : राजनाथ सिंह ने कहा, शहीदों के परिजनों के साथ खड़ा है राष्ट्र

नई दिल्ली ,जम्मू कश्मीर में हुए एक आतंकवादी हमले में भारतीय सेना के पांच जवान शहीद हो गए। यह वारदात तब हुई जब आतंकवादियों ने सेना के वाहन पर ग्रेनेड से हमला किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवादी हमले में जवानों की मृत्यु पर दुख व्यक्त किया। इसके साथ ही उन्होंने इन वीर जवानों के परिवारों को भरोसा दिलाया कि पूरा राष्ट्र उनके साथ है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, बदनोटा, कठुआ (जम्मू–कश्मीर) में एक आतंकवादी हमले में हमारे पांच बहादुर भारतीय सैनिकों की मौत से मुझे गहरा दुख हुआ है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं, इस कठिन समय में राष्ट्र उनके साथ मजबूती से खड़ा है। रक्षा मंत्री ने जम्मू कश्मीर में आतंकवाद विरोधी मिशन पर कहा कि आतंकवाद विरोधी अभियान चल रहे हैं और हमारे सैनिक क्षेत्र में शांति और व्यवस्था कायम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैं इस कायरतापूर्ण आतंकी हमले में घायल हुए जवानों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। जम्मू–कश्मीर के कठुआ में सोमवार को आतंकियों ने भारतीय सेना की गाड़ी पर घात लगाकर हमला किया था। इस आतंकी हमले में सेना के 5 जवान शहीद हो गए और पांच अन्य जवान जख्मी भी हुए हैं। घायल सैनिकों को सेना के अस्पताल में भर्ती किया गया है। आतंकियों ने यहां सेना के वाहन पर ग्रेनेड से हमला करने के साथ ही गोलीबारी भी की थी। सेना के वाहन पर हुए इस हमले के बाद सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। फिलहाल सेना ने इलाके को घेर लिया है। यहां आतंकवादियों की तलाश में सुरक्षाबलों द्वारा सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। गौरतलब है कि बीते दो महीनें में सेना के वाहन पर यह दूसरा आतंकवादी हमला है।

सिंचाई मंत्री महाराज ने जमरानी बांध के मांगे अवशेष केन्द्रांश 112.50 करोड़

● पर्वतीय क्षेत्रों को जल जीवन मिशन के तहत मिलने वाले शुद्ध पेयजल की मात्रा बढ़ाने का दिया प्रस्ताव ● महाराज ने जल शक्ति मंत्री व राज्य मंत्री को बद्री-केदार आने का दिया न्यौता

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून/नई दिल्ली : प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली में आयोजित जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक में प्रतिभाग करते हुए केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटील से जमरानी बांध परियोजना के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु अवशेष 112.50 करोड़ की धनराशि उपलब्ध करवाने, स्वच्छ भारत मिशन के तहत उत्तराखंड के लिए अतिरिक्त वित्तीय प्रावधान कराए जाने और जल जीवन मिशन के अंतर्गत केंद्र से मिलने वाली अवशेष 4200 करोड़ की धनराशि दिये जाने का अनुरोध किया। सिंचाई मंत्री श्री महाराज ने समीक्षा बैठक के दौरान केंद्रीय जल शक्ति मंत्री एस.आर. पाटिल और केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री वीरन्ना सोमन्ना को श्री केदारनाथ-श्री बद्रीनाथ आने का न्यौता दिया।

प्रदेश के सिंचाई, पर्यटन, लोक निर्माण, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, एवं जलागम मंत्री सतपाल महाराज ने मंगलवार को जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली में आयोजित जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक में प्रतिभाग करने से पूर्व केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर.पाटिल से भेंट कर उन्हें बाबा केदारनाथ की प्रतिकृति भेंट की। समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से कहा कि जमरानी बांध परियोजना जिसकी लागत 2584.10 करोड़ है। राज्य सरकार द्वारा परियोजना के पुनर्वास कार्य हेतु वित्तीय वर्ष 2023-24 में 200 करोड़ की धनराशि निर्गत की गई थी। वर्तमान में परियोजना के मुख्य बांध निर्माण हेतु निविदा प्रक्रिया पूर्ण करने के साथ ही अनुबंध गठन का कार्य पूर्ण कर कार्य प्रारंभ हो गया है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए परियोजना हेतु मंत्रालय से केन्द्रांश के रुप में 157.50 करोड़ की धनराशि निर्गत की गई। वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु वांछित 300.00 करोड़ की धनराशि का अवशेष केन्द्रांश 112.50 करोड़ (270.00-157.50) तत्काल निर्गत कराया जाए। सिंचाई मंत्री श्री महाराज ने समीक्षा बैठक के दौरान केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल से आग्रह कि उत्तराखंड राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों और सड़क परिवहन सुविधाओं के सीमित होने के कारण कचरा संग्रहण वाहन प्रदेश के 75 प्रतिशत से अधिक पर्वतीय क्षेत्रों तक पहुंचने में समर्थ नहीं हैं। इस समस्या के समाधान हेतु अतिरिक्त कलेक्टर स्तर पर उच्च क्षमता के वाहनों की आवश्यकता है इसलिए जल जीवन मिशन के तहत प्रदेश के लिए अतिरिक्त वित्तीय प्रावधान किए जाएं। उन्होंने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री को बताया कि उत्तराखंड राज्य के लिए जल जीवन मिशन के तहत 900 करोड़ के बजट का प्रावधान किया गया है जिसमें से 90 प्रतिशत केंद्र सरकार तथा 10 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा आवंटित किया जाता है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु राज्य को 4200 करोड़ के लगभग धनराशि केंद्र सरकार द्वारा आवंटित की जानी है। श्री महाराज ने जल शक्ति मंत्री को अवगत कराया कि उत्तराखंड के पर्वतीय (ग्रामीण) क्षेत्रों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन न्यूनतम 55 लीटर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराए जाने का प्रावधान है। जबकि शहरी क्षेत्र में 135 लीटर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराए जाने का प्रावधान है। उन्होंने जल शक्ति मंत्री से अनुरोध किया कि उत्तराखंड पर्यटन प्रदेश होने के कारण यहां लाखों पर्यटकों की आवाजाही रहती है। पर्वतीय क्षेत्रों में अनेक होटल एवं होम स्टे हैं इसलिए पर्वतीय क्षेत्र के लिए शुद्ध जल की मात्रा को शहरी क्षेत्र के मानकों के अनुसार बढ़ाया जाना चाहिए।

संपादकीय

उत्तराखंड से बड़ी शहादत

कश्मीर घाटी में अभी एक दिन पहले ही सुरक्षा बलों पर घात लगाकर हमला किया गया था जिसमें चार जवान शहीद हो गए थे तो वही पुनः एक दिन बाद सेना के काफिले पर घात लगाकर बैठे कश्मीर टाइगर्स के आतंकियों ने हमला किया। हमले में पांच जवान शहीद हो गए तो चार गंभीर रूप से घायल हुए। पूरे देश ने जवानों की शहादत पर आंसू बहाया तो वहीं उत्तराखंड इन पांच बलिदान पर पूरी तरह से शोक में डूब गया। उत्तराखंड के लिए यह हमला अपने उन पांचो सपूतों को खोने का था जो उस वाहन में सवार थे जिस पर आतंकियों ने हमला किया। ऐसा पहली बार उत्तराखंड ने शायद देखा होगा कि एक साथ पांच जवान शहीद हो गए। यूं तो उत्तराखंड हमेशा से वीरों और बलिदान की भूमि रहा है लेकिन घाटी में जिस प्रकार से आतंकी संगठनों की गतिविधियां बढ़ रही है उससे पूरे उत्तराखंड में भी गुस्सा साफ नजर आ रहा है। यह बेहद चिंता की बात है कि एक दिन पूर्व बड़ा हमला सुरक्षा बलों पर किया गया था तो उसके बाद बेहद दुस्साहस का परिचय देते हुए इन आतंकवादियों ने पूरी योजना बनाकर सेना के काफिले को निशाना बनाया। साफ है कि यह पूरी योजना बिना स्थानीय मदद के संभव नही थी। इसके मायने यह हुए की तमाम कोशिशें के बावजूद भी कहीं ना कहीं अभी भी आतंकियों को पनाह एवं समर्थन देने वाले कश्मीर घाटी में बने हुए हैं। आतंकियों के अंत के साथ लोकल इंटेलीजेंस के लिए अब चुनौती है कि वह किस प्रकार से इन देश के गद्दारों को ढूंढने जो पड़ोसी मुल्क में पालने वाले हैवानों को शरण दे रहे हैं? हाई अलर्ट और हमले के इनपुट के बीच जम्मू–कश्मीर में एक माह में सबसे बड़ा आतंकी हमला अंजाम दिया गया। हिजबुल मुजाहिदीन के दुर्दांत आतंकी बुरहान वानी की बरसी पर सुरक्षाबलों पर हमले के इनपुट सुरक्षा एजेंसियों को पिछले कुछ दिनों से लगातार मिल रहे थे। ऐसे में कठुआ जिले में भी हाई अलर्ट था। बाकायदा सभी एजेंसियों को एहतियात बरतने के निर्देश थे, लेकिन उसके बावजूद भी लगातार दो हमले कहीं ना कहीं आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करते हैं। लगातार आतंकी हमले में हमारे देश के जांबाज अपना बलिदान दे रहे हैं जिससे पूरा देश चिंता में है। निश्चित तौर पर अब स्थिति ऐसी हो चुकी है कि पड़ोसी देश और उसकी जमीन पर पलने वाले आतंकियों को एक तरफा जवाब दिया जाए। घात लगाकर हमले और उसके बाद आतंकियों को मार गिराने की कार्रवाई से अधिक अब सीधा आतंकियों के ठिकानों को ही बर्बाद करने की नीति पर चलना ही सबसे श्रेष्ठ होगा। मोदी सरकार के पूर्व कार्यकाल में पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक और बड़ाकोट जैसी सैनिक कार्रवाई की जा सकती है तो इस बार उससे भी कहीं बड़ी तैयारी की जरूरत है। पड़ोसी देश की हरकतों के आगे हम अपने सैनिकों को इस तरह खोते हुए नहीं देख सकते, लिहाजा यह जरूरी है कि जैसे को तैसा वाली लीक पर चला जाए।

आर्थिक और बैंकिंग क्षेत्र को नयी सरकार से उम्मीदें

> **वर्ष 1947 से ठीक 60 वर्षों के बाद भारत की जीडीपी 2007 में एक ट्रिलियन डॉलर की हुई और 2014 में दो ट्रिलियन डॉलर की हो गयी तथा 2019 में तीन ट्रिलियन डॉलर की। वर्ष 2014 में भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की दसवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गयी थी, जबकि 2019 में यह दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गयी। वित्त वर्ष 2023–24 की मार्च तिमाही में 7. 8 प्रतिशत की दर से जीडीपी में वृद्धि दर्ज हुई और समग्र रूप से वित्त वर्ष 2023–24 में विकास दर 8. 2 प्रतिशत रही, जबकि वित्त वर्ष 2022–23 में यह सात प्रतिशत रही। 'द इंडियन इकोनॉमीः ए रिव्यू' रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024–25 में लगातार चौथे वर्ष भारत की जीडीपी वृद्धि दर सात प्रतिशत से अधिक रह सकती है। वर्ष 2023 में भारत में बेरोजगारी दर 8. 7 प्रतिशत रही थी, जबकि 2022 में 7. 3 प्रतिशत। चूंकि अभी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ रही है।**

सतीश सिंह

नरेंद्र मोदी के 2014, 2019 और अब 2024 में प्रधानमंत्री बनने के बाद विकास के मोर्चे पर और बेहतरी आने की उम्मीदें हैं। क्योंकि 2014 और 2019 की अवधि में स्वास्थ्य, शिक्षा, आधारभूत संरचना, ऊर्जा, सेवा आदि क्षेत्रों को विकसित करने एवं सुधार लाने के लिए उल्लेखनीय कार्य किये गये हैं। इस क्रम में सबसे कारगर और समीचीन कदम आर्थिक और बैंकिंग क्षेत्र में उठाये गये हैं। वर्ष 2014 से 2023 के दौरान भारत आर्थिक रूप से विश्व में एक मजबूत देश बनकर उभरा है। इसलिए, देशवासियों को लग रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई में भारत 2027 में पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था, 2030 में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 में विकसित देश बन सकता है।

वर्ष 1947 से ठीक 60 वर्षों के बाद भारत की जीडीपी 2007 में एक ट्रिलियन डॉलर की हुई और 2014 में दो ट्रिलियन डॉलर की हो गयी तथा 2019 में तीन ट्रिलियन डॉलर की। वर्ष 2014 में भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की दसवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गयी थी, जबकि 2019 में यह दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गयी। वित्त वर्ष 2023–24 की मार्च तिमाही में 7. 8 प्रतिशत की दर से जीडीपी में वृद्धि दर्ज हुई और समग्र रूप से वित्त वर्ष 2023–24 में विकास दर 8. 2 प्रतिशत रही, जबकि वित्त वर्ष 2022–23 में यह सात प्रतिशत रही। 'द इंडियन इकोनॉमीः ए रिव्यू' रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024–25 में लगातार चौथे वर्ष भारत की जीडीपी वृद्धि दर सात प्रतिशत से अधिक रह सकती है। वर्ष 2023 में भारत में बेरोजगारी दर 8. 7 प्रतिशत रही थी, जबकि 2022 में 7. 3 प्रतिशत। चूंकि अभी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ रही है। इसलिए, 2024 से 2027 तक बेरोजगारी दर के आठ प्रतिशत से कम रहने का अनुमान है। भारत में मुद्रास्फीति दर 2023 में 5. 5 प्रतिशत रही है, जबकि 2022 में यह 6. 7 प्रतिशत रही थी।

मई 2024 में खुदरा महंगाई 4. 75 प्रतिशत रही, जो 12 महीने का निचला स्तर था। वर्ष 2024 से 2027 के दौरान इसके क्रमशः 4. 6, 4. 1, 4. 1 और 4. 0 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इस आधार पर कहा जा सकता है, भारतीय अर्थव्यवस्था आसानी से 2027 तक पांच ट्रिलियन डॉलर की बन सकती है। 'द इंडियन इकोनॉमीः ए रिव्यू' रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार द्वारा किये जा रहे आर्थिक सुधारों के चलते ही भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकी है। इस रिपोर्ट में यह संभावना भी जतायी गयी है कि भारत की जीडीपी 2030 तक सात प्रतिशत की दर से आगे बढ़ सकती है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल ने भी भारत के वित्तीय क्षेत्र में आयी मजबूती और सरकार द्वारा किये गये हालिया संरचनात्मक सुधारों के कारण इस दावे की पुष्टि की है। एसएंडपी ग्लोबल ने अपनी ग्लोबल क्रेडिट आउटलुक 2024 की रिपोर्ट 'न्यू रिस्क, न्यू प्लेबुक' में कहा है कि भारत की नॉमिनल जीडीपी 2022 में 3. 5 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 2030 तक 7. 3 ट्रिलियन डॉलर की हो जायेगी।

हाल के महीनों में भारतीय बैंकों का प्रदर्शन एशिया में अपने समकक्ष बैंकों की तुलना में सबसे अच्छा रहा है। देश के तीन बड़े बैंकों– भारतीय स्टेट बैंक, एचडीएफसी बैंक और आईसी आईसीआई बैंक– ने 2023 में दुनिया के शीर्ष 50 बैंकों की सूची में अपनी जगह बनायी है। एसएंडपी ग्लोबल की रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय स्थिति में सुधार, मजबूत आर्थिक स्थिति, कर्ज में तेज वृद्धि, एनपीए में कमी और मुनाफे में इजाफे से भारतीय बैंक मजबूत हुए हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में बैंकों की संपत्ति 50. 5 प्रतिशत बढ़कर 1. 51 लाख करोड़ डॉलर हो गयी है। हाल के महीनों में भारतीय बैंकों द्वारा दिये जा रहे कर्ज में तेज वृद्धि हुई है। उनतीस दिसंबर, 2023 तक यह 15. 6 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गयी थी, जो एक वर्ष पहले 14. 9 प्रतिशत थी।

वित्त वर्ष 2023–24 में बैंक ऑफ बड़ौदा और केनरा बैंक ने 10,000 करोड़ से अधिक मुनाफा कमाया है। भारतीय स्टेट बैंक ने तो इस अवधि में 61,077 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है, जो सरकारी बैंकों की कुल कमाई के 40 प्रतिशत से अधिक है। बारह सरकारी बैंकों में से केवल पंजाब एंड सिंध बैंक के मुनाफे में कमी आयी है। इकत्तीस मार्च, 2024 को सरकारी बैंकों का संचयी लाभ 1. 4 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 35 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2023–24 में सभी बैंकों का एनपीए भी घटकर 1. 70 प्रतिशत के स्तर से नीचे आ गया।

विकसित देश बनने के कुछ मानक हैं। इस क्रम में भारत में औद्योगीकरण, शिक्षा, आधारभूत संरचना, यंत्रीकरण, डिजिटलाइजेशन, स्वास्थ्य आदि के क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। लोगों की जीवन प्रत्याशा और शिक्षा में सुधार आ रहा है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, पीएम स्वनिधि, सेल्फ हेल्प ग्रुप आदि की मदद से देश में समावेशी विकास को बल मिल रहा है। बड़ी संख्या में लोग आत्मनिर्भर हुए हैं। विगत वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकलने में सफल रहे हैं। इस तरह, प्रति व्यक्ति आय के मानदंड को छोड़कर भारत अन्य मानकों पर खरा उतरकर विकसित देश की श्रेणी में जरूर खड़ा हो सकता है।

राहुल को युद्ध और हिंसा की सच्चाई समझना होगा

देशवासियों को बेसब्री से इंतजार था और दिलचस्पी भी थी कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान नेता प्रतिपक्ष के रूप में पहली बार राहुल गांधी सदन में कौन–सा नया विचार रखेंगे। कौन–कौन से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दे हैं जिनसे सरकार और प्रधानमंत्री को असहज करेंगे। इतिहास ने उन्हें करोड़ों देशवासियों का दिल जीतने का अवसर दिया था लेकिन उन्होंने ऐतिहासिक अवसर को गंवा दिया। राहुल खुद को ह्यएंगरी यंगमैनह्ल के रूप में पेश करते हुए भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कह गए कि जो लोग खुद को हिन्दू कहते हैं, वे चौबीस घंटे हिंसा, नफरत और झूठी बातें करते रहते हैं। देश के समूचे हिन्दू समाज को हिंसक बताकर बहुसंख्यक आबादी को न केवल नाराज किया, बल्कि अपमानित भी कर दिया। जब प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर हस्तक्षेप करते हुए कहा कि पूरे हिन्दू समाज को हिंसक कहना गलत है, यह गंभीर विषय है। इसके बाद राहुल को समझ में आया कि वह गलती कर बैठे हैं और अपनी गलती को सुधारते हुए उन्हें कहना पड़ा कि वह भाजपा के बारे में बोल रहे थे। भाजपा, आरएसएस या प्रधानमंत्री मोदी पूरा हिन्दू समाज नहीं हैं। सबसे दिलचस्प बात यह थी कि राहुल भगवान शिव, भगवान बुद्ध, महावीर, गुरुनानक देव की तस्वीर लेकर सदन में आए थे। उन्होंने अपनी बात रखते हुए ईसा मसीह और पैगम्बर मोहम्मद साहिब का भी जिक्र किया और कहा कि ये सभी अभय मुद्रा में हैं। यह सच है कि इन सभी महापुरुषों ने शांति और अहिंसा का संदेश दिया है और यह भी सच है कि कोई भी धर्म हिंसा का समर्थन नहीं करता। लेकिन राहुल किसी भी महापुरुष के दर्शन और विचार को न परिभाषित कर पाए, न व्याख्यायित कर पाए और न सदन के जरिए देशवासियों को ही समझा पाए। पौराणिक ग्रंथों में सुर–असुर संग्राम की चर्चा है। धर्म की रक्षा के लिए शिव, कृष्ण आदि देवताओं ने भी हथियार उठाए हैं। चाहे शिवाजी हों या महाराणा प्रताप, सभी के जीवन में युद्ध करने के अवसर आए हैं। पिछले दो वषी से समूचे विश्व का ध्यान रूस–यूक्रेन और फिलिस्तीन–इस्राइल युद्ध की ओर गया है। मानवीय हिंसा और युद्ध गहरी चिंता और घृणा के विषय हैं, लेकिन यह भी सच है कि पिछले दो विश्व युद्ध भी मानव जाति को युद्ध और हिंसा की आग में जलाने से रोक नहीं पाए। राहुल गांधी को युद्ध और हिंसा की सचाई को समझना होगा। कोई भी सभ्य समाज हिंसा का समर्थन नहीं करता।

भारत बनता जा रहा है मेडिकल टूरिज्म का हब

अशोक शर्मा

भारत बहुत पहले से ही 'दुनिया का दवाखाना' कहा जाता है क्योंकि यहां से भारी मात्रा में दवाइयां और टीके निर्यात किये जाते हैं। स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता बढ़ने के साथ–साथ कई देशों के मरीज सस्ता और अच्छा इलाज कराने के लिए भारत आ रहे हैं। आकलन है कि इस वर्ष 73 लाख मेडिकल पर्यटक भारत आयेंगे। साल 2020–21 के मेडिकल टूरिज्म सूचकांक में भारत 10वें स्थान पर था। उल्लेखनीय है कि दूसरे देशों के मरीज केवल दिल्ली या मुंबई जैसी जगहों पर ही नहीं जा रहे हैं, बल्कि वड़ोदरा, हैदराबाद आदि कई शहर उनके गंतव्य बन रहे हैं। एक ओर जहां विदेशी रोगियों को गुणवत्तापूर्ण उपचार अपेक्षाकृत कम खर्च में उपलब्ध हो रहा है, वहीं दूसरी ओर अस्पतालों, शहरों और राज्यों को भी फायदा हो रहा है। अस्पताल ऐसे रोगियों के लिए विशेष व्यवस्था कर रहे हैं। अनेक राज्य सरकारें भी संबंधित परियोजनाएं ला रही हैं। मसलन, हैदराबाद में एक हजार एकड़ क्षेत्र में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य पर्यटन परिसर बनाने की घोषणा की गयी है। ऐसी ही एक परियोजना पुणे में भी लायी जा रही है। महानगरों के निकट स्थित शहरों में ऐसी व्यवस्थाओं के विस्तार की बड़ी संभावनाएं हैं क्योंकि वहां आवागमन की भी अधिक सुविधा है ।

अप्रासंगिक होती प्रतियोगी परीक्षाएं और ढहती शिक्षा प्रणाली

संजय पराते

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की निष्पक्ष तरीके से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं को आयोजित कर पाने की असफलता ने न केवल इसमें घुसे भ्रष्टाचार को उजागर किया है, बल्कि हमारी समूची शिक्षा प्रणाली के ढहने की ओर भी इशारा किया है ; जिसे नई शिक्षा नीति से सबको संस्कारित करने और कानून के जरिए पेपर लीक जैसे मामलों पर लगाम लगाने के ढपोरशंखी दावे की आड़ में दबाने की कोशिश की जा रही है। पूरे मामले को नैतिकता के आवरण में ढंका जा रहा है और इन मामलों में राजनीति न करने की अपील विपक्ष और देश की जनता से की जा रही है, जबकि शिक्षा प्रणाली का मुद्दा राजनीति से जुड़ा सीधा मसला है। असली मुद्दा यह है कि देश की शिक्षा प्रणाली को सार्वभौम और सार्वजनिक बनाया जाएगा या फिर अन्य क्षेत्रों की तरह ही उसका संपूर्ण निजीकरण किया जाएगा और उसे माल बनाकर कुछ व्यक्तियों और समूहों की इजारेदारी कायम की जाएगी। इस मूल सवाल से भाजपा और उसके संगी–साथी बचकर निकल जाना चाहते हैं।पहले नीट (एनआईआईटी) के बारे में। जिस परीक्षा के नतीजे 14 जून को आने वाले थे, उसके नतीजे 4 जून को घोषित करना और उस समय, जब पूरा देश लोकसभा चुनाव नतीजों के हो–हल्ले में फंसा हो, आश्चर्य की बात थी। इससे आसानी से नतीजा निकाला जा सकता है कि परीक्षा के नतीजों को किसी शोरगुल में दबाने की साफ साजिश थी। परीक्षा के नतीजों में जो गड़बडियां सामने आई, वह इस बात को प्रमाणित करने के लिए काफी हैं।किन गड़बडियों से इस परीक्षा के नतीजों पर प्रश्न चिन्ह लगे हैं? (री–नीट के बाद) कम–से–कम 61 ऐसे उम्मीदवार हैं, जिन्हें 720 में से 720 अंक मिले हैं, जबकि पिछले वर्ष आयोजित परीक्षा में ऐसे केवल 2 लोग ही थे। कई ऐसे उम्मीदवार हैं, जिन्हें 718 और 719 अंक मिले थे। गणितीय दृष्टि से, इस प्रकार के अंक मिलना असंभव है, क्योंकि बहु वैकल्पिक प्रश्नों वाली परीक्षा में प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक निर्धारित थे और प्रत्येक गलत उत्तर देने पर कुल सही प्राप्तांकों में से एक अंक कटना था। इस प्रकार, एक गलत उत्तर के साथ पूरा सही पेपर बनाने वाले उम्मीदवार को 715 अंक ही मिल सकते थे। एनटीए का स्पष्टीकरण है कि ऐसा 1563 उम्मीदवारों को ग्रेस मार्क्स मिलने के कारण हुआ है, जिन्हें परीक्षा के लिए निर्धारित समय से कम समय मिला था, या उन्हें गलत उत्तर देने के लिए इसलिए ग्रेस अंक मिले हैं, क्योंकि कक्षा बारहवीं की एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तक में अशुद्धियां थी और गलत जानकारी दी गई थी। लेकिन परीक्षा की मूल योजना में ग्रेस मार्क्स की कोई अवधारणा नहीं थी और इससे काफी पीछे के उम्मीदवार सामने आ गए थे। बाद में एनटीए ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर ग्रेस मार्क्स वापस लेकर ऐसे उम्मीदवारों के लिए पुनः परीक्षा आयोजित की है। यह भी अब विवाद के दायरे में है कि ऐसे उम्मीदवारों के लिए परीक्षा आयोजित करना उचित था, क्योंकि उम्मीदवारों को कम समय मिलने की बात संबंधित परीक्षा केंद्रों के प्रभारियों ने नकार दी है। इससे यह सवाल सहज ही उठ खड़ा होता है कि क्या कुछ परीक्षा केंद्रों को कुछ विशेष उम्मीदवारों के लिए बनाया गया था, जहां उन्हें अनुचित लाभ दिलाया जा सके? यह आशंका इसलिए भी सही है कि कुछ परीक्षा केंद्रों के कुछ उम्मीदवारों को लाइन से ऐसे उच्च अंक मिले हैं। इसके साथ ही, सरकार के निर्देशन में एनसीईआरटी द्वारा तैयार हमारे पाठ्य पुस्तकों की सटीकता पर भी प्रश्न चिन्ह लग गया है। इस घपले–घोटाले के उजागर होने के बाद ताबड़तोड़ तरीके से एक के बाद एक दूसरी प्रतियोगी परीक्षाएं भी बिना किसी उजागर कारण के स्थगित की गई है, जिससे यह स्पष्ट अनुमान लगाया जा सकता है कि इन परीक्षाओं के पर्चे भी लीक हो चुके थे और कुछ उम्मीदवारों को नाजायज फायदा दिलाने की सेटिंग हो चुकी थी।एनटीए जिन प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन करता है, उनमें हर साल लगभग 1.25 करोड़ परीक्षार्थी शामिल होते हैं और नीट के घपले के साथ अन्य स्थगित परीक्षाओं से कम से कम 50 लाख विद्यार्थी प्रभावित हुए हैं और इसलिए देश का छात्र समुदाय नीट को पुनः आयोजित करने तथा एनटीए को खत्म किए जाने की मांग कर रहा है, तो इसमें गलत कुछ नहीं है। पूरे देश के स्तर पर आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं में भ्रष्टाचार, अपारदर्शिता और प्रक्रियागत विफलता से केंद्र सरकार भी बरी नहीं हो सकती, इसलिए सभी प्रभावित छात्रों को केंद्र सरकार द्वारा मुआवजा दिए जाने और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग भी जोर पकड़ती जा रही है। इस मामले में इंडिया समूह से जुड़े राजनैतिक दलों के छात्र संगठन भी एकजुट हो रहे हैं, जिन्होंने 3 जुलाई को जंतर मंतर में एक बड़ा विरोध प्रदर्शन करने के बाद 4 जुलाई को अखिल भारतीय छात्र हड़ताल का आह्वान किया है।अब एनटीए के बारे में। वर्ष 2018 तक नीट और नेट जैसी परीक्षाएं सीबीएसई द्वारा आयोजित की जाती थी, जो केंद्र सरकार द्वारा नियंत्रित होती है और जिसकी सीधी जवाबदेही जनता के प्रति बनती है। 2018 के बाद इन परीक्षाओं के आयोजन की जिम्मेदारी एनटीए को सौंप दी गई, जो सोसायटी एक्ट के तहत मात्र एक पंजीकृत संस्था है। हालांकि इसके सदस्यों की नियुक्ति केंद्र सरकार करती है, लेकिन यह यह संस्था सरकार के किसी अधिनियम से शासित नहीं है और इसलिए आम जनता के प्रति इसकी कोई जवाबदेही भी नहीं बनती। अगस्त 2023 में प्रदीप जोशी नाम के व्यक्ति को इस संस्था के चेयरमैन पद पर मोदी सरकार ने बैठा दिया, जिनके पास विशिष्ट योग्यता यह थी कि वे आरएसएस के "खांटी स्वयंसेवक और पूर्व एबीवीपी नेता" थे, (नीट कांड के बाद अब इस महानुभाव को हटा दिया गया है)। इस संस्था के पास अपना कहने वाले कर्मचारियों की संख्या केवल 25 हैं और अन्य निजी संस्थाओं (आउट सोर्सिंग) के जरिए ही यह पूरे देश में परीक्षाओं का आयोजन करती है। ये संस्थाएं किस स्तर पर किस प्रकार की गड़बडियों, हेर–फेर और भ्रष्टाचार में शामिल है, इसका पता तब ही चलता है, जब लाखों परीक्षार्थियों का भविष्य बर्बाद हो चुका होता है और इसकी जिम्मेदारी लेने के लिए कोई सामने नहीं आता, सरकार भी नहीं।

प्रभु देवा की डांसिंग फिल्म के टाइटल मून वॉक का एलान, फर्स्ट लुक पोस्टर आउट

इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज कोरियोग्राफर प्रभु देवा अपने फैंस के लिए फिर हाजिर हैं एक फुल डांसिंग फिल्म लेकर. प्रभु देवा ने बीती 22 मार्च 2024 को अपनी नई डांसिंग फिल्म का एलान किया था और अपनी सुपरहिट फिल्म हम से है मुकाबला के हिट सॉन्ग मुकाबला के हुकअप स्टेप्स के पोस्टर शेयर किए थे. बीती 22 मार्च 2024 से प्रभु देवा के फैंस को उनकी इस फिल्म के नाम और इसकी रिलीज डेट के एलान का इंतजार था. प्रभु देवा ने अपनी इस फिल्म से एक तोहफा अपने फैंस को दिया है. प्रभु देवा ने अपनी इस फिल्म के नाम का खुलासा कर दिया है. साथ ही फिल्म की पूरी स्टार कास्ट के नाम भी गिना दिए हैं.फिल्म मून वॉक में दिग्गज कंपोजर एआर रहमान का म्यूजिक होगा. यह छठवीं बार होगा, जब प्रभु देवा और एआर रहमान एक साथ कोई फिल्म करने जा रहे हैं. इस जोड़ी ने फिल्म हमसे है मुकाबला से ऐसा धमाका मचाया था, जो आज तक भी लोग भूले नहीं हैं. फिल्म का हिट सॉन्ग मुकाबला आज भी हिट सॉन्ग की लिस्ट में है. अब एआर रहमान और प्रभु देवा अपने सिनेमैटिक प्रोजेक्ट के लिए साथ लौटे हैं.

मून वॉक को मनोज एनएस डायरेक्ट करने जा रहे हैं. इस फिल्म में प्रभु देवा के साथ–साथ अपनी कॉमिक टाइमिंग से हंसाने वाले योगी बाबू, अजू वर्गीस, अर्जुन अशोकन, सेट्ज, निश्मा चेंगपा, सुष्मिता नायक, रेडिन किंग्स्ले, मोट्टई राजेंद्रन, सिंघमपुली, टीएसआर श्रीनिवासन, दीपा शंकर, डॉ. संतोष जैकब और रामकुमार नटराजन अहम रोल में नजर आएंगे. दिव्या मनोज और डॉक्टर प्रवीन एलॉक ने फिल्म को प्रोड्यूस किया है. बिहाइंडवुड्स फिल्म को पेश कर रहे हैं.

बता दें, इससे पहले बीती 22 मार्च 2024 को एआर रहमान ने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर इस फिल्म एआरआरडीपी6 का एलान किया था.

फिल्म जेबरा से दाली धनंजय का पहला लुक सामने आया

ईश्वर कार्तिक द्वारा निर्देशित मल्टी–स्टारर फिल्म में प्रतिभाशाली नायक सत्यदेव और कन्नड़ स्टार दाली धनंजय मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। ज़ेबरा नामक इस फिल्म का निर्माण पद्मजा फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड और ओल्ड टाउन पिक्चर्स के बैनर तले एसएन रेड्डी, एस पद्मजा, बाला सुंदरम और दिनेश सुंदरम ने किया है। फिल्म से सत्यदेव का पहला लुक उनके जन्मदिन के अवसर पर जारी किया गया।

पोस्टर में सत्यदेव को सूट पहने स्टाइलिश अवतार में दिखाया गया है, लेकिन वे यहां बहुत गंभीर दिख रहे हैं और उनके चेहरे पर गहरी निगाहें हैं। वे कंधे पर बैग टांगे हुए उग्रता से चलते हुए दिखाई दे रहे हैं। दूसरे हाथ में कलम है। बैकग्राउंड पोस्टर में सत्यदेव को करेंसी नोटों के साथ दिखाया गया है।

रूस में प्रधानमंत्री मोदी ने चैंपियन टीम इंडिया को सराहा

–बोले– आज का युवा आखिरी बॉल और आखिरी पल तक हार नहीं मानता है

मॉस्को, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस वक्त 2 दिन के रूस दौरे पर हैं. जहां, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी गर्मजोशी के साथ पीएम मोदी का स्वागत किया. मंगलवार को भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए पीएम ने कई अहम मुद्दों पर बात की. इस दौरान उन्होंने हाल ही में टी–20 वर्ल्ड कप 2024 में ट्रॉफी जीतने वाली चैंपियन टीम इंडिया की सराहना की. साथ ही उन एथलीट्स के प्रयासों को भी सराहा, जिन्होंने बीते वक्त में भारत के लिए मेडल्स जीते हैं.

29 जून को बारबाडोस में टीम इंडिया ने टी–20 वर्ल्ड कप 2024 में खिताबी जीत दर्ज कर इतिहास रचा. 17 साल बाद टीम इंडिया ने इस टूर्नामेंट में जीत दर्ज की. इस जीत को भारत में त्यौहार की तरह सेलिब्रेट किया गया. 4 जुलाई को जब टीम इंडिया भारत लौटी, तो चैंपियन टीम से पीएम ने मुलाकात की.

अब रूस दौरे पर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी टीम इंडिया की इस जीत को सराहते नजर आए. उन्होंने भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा, टी20 वर्ल्ड कप में भारत ने ट्रॉफी जीती. दुनियाभर के भारतीयों ने अपनी टीम को जमकर सेलिब्रेट किया. आज का युवा आखिरी बॉल और आखिरी पल तक हार नहीं मानता है. विजय उन्हीं के कदम चूमती है, जो हार मानने को तैयार नहीं होते.

26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में 66 पुरुष खिलाड़ी तो वहीं 47 महिला भारतीय एथलीट हिस्सा लेने वाले हैं. ऐसे में भारत की मेडल्स की उम्मीद काफी अधिक है.

पीएम मोदी ने कार्यक्रम के दौरान पेरिस ओलंपिक पर बात करते हुए कहा, ये भावना सिर्फ क्रिकेट तक सीमित नहीं है बल्कि दूसरे खेलों में भी दिखती है. बीते सालों में इंटरनेशनल टूर्नामेंट में हमारे एथलीट ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किए हैं. पेरिस ओलंपिक में भी भारत की ओर से एक शानदार टीम भेजी जा रही है. भारत की युवा शक्ति का यही कॉन्फिडेंस भारत की असली पूंजी है. यही युवा शक्ति भारत को 21वीं सदी की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए सबसे बड़ी ताकत है.

सोशल मीडिया पर ट्रेंड के पीछे भागने से ज्यादा प्रामाणिकता को दें महत्वः रश्मि गुप्ता

गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा की एक्ट्रेस रश्मि गुप्ता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्होंने ट्रेंड के पीछे भागने से ज्यादा प्रामाणिकता के महत्व पर जोर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया को एक्सपोजर और कनेक्शन के लिए जरूरी टूल बताया।फिलहाल रश्मि गुप्ता ध्रुव तारा– समय सदी से परे में चंद्रा की भूमिका निभा रहीं हैं।उन्होंने कहा, सोशल मीडिया एक्सपोजर और कनेक्शन के लिए जरूरी टूल के रूप में काम करता है, फिर भी मैं ट्रेंड और मेट्रिक्स के पीछे भागने से ज्यादा प्रामाणिकता को प्राथमिकता देती हूं।एक्ट्रेस ने कहा कि यह प्लेटफॉर्म दोधारी तलवार की तरह है।

उन्होंने कहा, सोशल मीडिया ने मेरे काम के लिए नेटवर्किंग और विजिबिलिटी की सुविधा दी है। सहयोग करने और बड़ी संख्या में दर्शकों तक पहुंचने में मेरी मदद की है।रश्मि ने बताया कि सोशल मीडिया अभिशाप और वरदान दोनों है। यह लोगों को अपना टैलेंट दिखाने के लिए एक प्लेटफॉर्म प्रदान करता है, यह व्यूज और फॉलोअर्स के लिए लिमिट्स को पार करने का कारण भी बन सकता है।एक्ट्रेस का मानना है कि वास्तविक जुडाव संख्या से कहीं ज्यादा मायने रखता है।उन्होंने कहा, सोशल मीडिया पर दूसरों की पॉपुलैरिटी से खुद की तुलना करने के बजाय मैं अपने सफर पर ध्यान देती हूं और मेरा मानना है कि वास्तविक जुड़ाव संख्याओं से कहीं ज्यादा मायने रखता है।रश्मि ने आगे कहा, घटना–बढना जैसे एल्गोरिदम निराशाजनक हो सकते हैं, लेकिन मैं व्यू काउंट की तुलना में मीनिंगफुल कंटेंट को प्राथमिकता देती हूं।

एक एक्टर के तौर पर, वह कास्टिंग में सोशल मीडिया की अहमियत को पहचानती हैं।

मेसी सेमीफाइनल में कनाडा के खिलाफ खेलने के लिए फिटः कोच स्कालोनी

न्यू जर्सी (यूएसए), स्टार स्ट्राइकर लियोनल मेसी बुधवार को कोपा अमेरिका कप के सेमीफाइनल में कनाडा के खिलाफ खेलने के लिए फिट हो जाएंगे। अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनल स्कालोनी ने यह पुष्टि की है।

मेसी की फिटनेस पर संदेह था क्योंकि स्ट्राइकर जांघ की शिकायत के कारण पेरू के खिलाफ आखिरी ग्रुप स्टेज मैच में नहीं खेल पाए थे। हालांकि, वह इक्वाडोर के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में लौटे और 90 मिनट पूरे किए, हालांकि वह पेनल्टी शूटआउट में मौके से चूक गए। प्री–मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में, स्कालोनी ने किसी भी फिटनेस चिंता से इनकार किया और कहा कि मेसी को शामिल करने पर निर्णय लेना उनके लिए कोई दिमागी काम नहीं था क्योंकि पूरी तरह से फिट नहीं होने की स्थिति में भी वे उन्हें खिलाते।

रोहित, विराट और बुमराह को श्रीलंका दौरे से दिया जा सकता है आराम

नई दिल्ली, टी20 विश्व कप खिताब जीतने के बाद सीनियर प्लेयर्स रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह को इस महीने के अंत में श्रीलंका दौरे के लिए आराम दिया जा सकता है।

भारत को 27 जुलाई से श्रीलंका के खिलाफ तीन टी20 और तीन वनडे मैच खेलने हैं।रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई बांग्लादेश दौरे पर लौटने से पहले तीन सीनियर प्लेयर्स को दौरे के लिए आराम देना चाहता है, जहां भारत 19 सितंबर से दो टेस्ट और तीन टी20 खेलेगा।रोहित, कोहली और रवींद्र जडेजा ने पिछले महीने टी20 विश्व कप जीतने के बाद टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। हालांकि, वे अन्य प्रारूपों में भारत के लिए खेलना जारी रखेंगे। बीसीसीआई संभवतः अगले सप्ताह श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टीम की घोषणा करेगा।

जानकारी के अनुसार, सीनियर प्लेयर्स को आराम दिया जा सकता है, जिससे वो अगले कुछ बड़े मुकाबलो के लिए तैयार रहें। रोहित, विराट और बुमराह को आराम की पेशकश की गई है और वे सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट मैचों के लिए टीम में शामिल होंगे।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड चाहता है कि सितंबर में पूरे सत्र के लिए वापसी से पहले इन सीनियर प्लेयर्स को पूरा आराम मिल सके।

इस बीच, टी20 विश्व कप 2024 मुख्य कोच के रूप में राहुल द्रविड़ का आखिरी कार्यभार था। कैरेबियन में खिताबी सूखे को समाप्त करने से पहले उन्होंने भारत को लगातार तीन आईसीसी फाइनल में पहुंचाया, जिसमें 2023 में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप और वनडे विश्व कप शामिल था।

एक नजर

नदी में बहने से युवक की मौत

चमोली : मंगलवार को बालखिला नदी में नहाते समय अचानक आये नदी के तेज प्रवाह में बह कर एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि सुबह 11.51 बजे पुलिस को सूचना मिली कि नेग्वाड़ गोपेश्वर निवासी प्रांजल पंखोली बालखिला नदी में नहाते समय बह गया है। प्रांजल अपने मित्रों के साथ बालखिला नदी में नहाने आया था तथा तेज बहाव में नदी से बह गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने अलकनंदा नदी के संगम की तरफ उसे बहते हुए देखा गया। पुलिस टीम तथा जिला रेस्क्यू की टीम के साथ संगम की तरफ गए। तो प्रांजल का शव बरामद हो गया। (एजेंसी)

केदारनाथ हाईवे 18 घंटे बाद खुला

रुद्रप्रयाग : बीते सोमवार शाम को फाटा के समीप डोलिया देवी में बंद चल रहा केदारनाथ हाईवे पर करीब 18 घंटे बाद खुला। मंगलवार सुबह 11 बजे हाईवे पर वाहनों की आवाजाही शुरू हो गई। हाईवे खुलने पर तीर्थयात्रियों के साथ ही स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। सोमवार शाम 5 बजे केदारनाथ हाईवे फाटा के पास डोलिया देवी में अचानक पहाड़ी से बोल्डर आने के कारण बंद हो गया। जिससे यहां वाहनों की आवाजाही नहीं हो सकी। एनएच लोनिवि द्वारा विगत शाम से ही हाईवे को खोलने का काम शुरू किया गया। बोल्डर काफी बड़े होने के कारण मंगलवार सुबह 11 बजे हाईवे खोला जा सका। हाईवे खुलते ही दोनों क्षेत्रों में रुके यात्री वाहनों ने राहत की सांस ली। एनएच लोनिवि के ईई निर्भय सिंह ने बताया कि मंगलवार सुबह 11 बजे हाईवे आवाजाही के लिए खोल दिया गया है। (एजेंसी)

होम स्टे के 29 और वाहन के लिए 60 मामले बैठक में आये सामने

नई टिहरी : सीडीओ डॉ. अभिषेक त्रिपाठी की अध्यक्षता में मंगलवार को वीर चंद्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना, होमस्टे और ट्रैकिंग ट्रैक्शन सेंटर होमस्टे अनुदान योजना की जिला अनुश्रवण समिति की बैठक संपन्न हुई। जिसमें वीर चंद्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना के तहत वाहन और गैर वाहन मद के 60 और होमस्टे में 29 प्रकरण प्रस्तुत किए गए। समिति के सदस्यों ने आवेदकों को योजनाओं और ऋण के संबंध में जानकारी देने के साथ ही सुझाव दिए। सीडीओ ने कहा कि जिस उद्देश्य से योजना बनाई गई है, उसी के अनुरूप कार्य करें। उन्होंने डीटीडीओ सोबत सिंह राणा को प्रकरणों में जो कमियां हैं, उनकी औपचारिकताएं पूरी कर बैंकों को भेजने के निर्देश दिए। राणा ने समिति के सम्मुख वाहन मद के 52, गैर वाहन मद के 8, होमस्टे 29 और ट्रैकिंग ट्रैक्शन के 2 आवेदन प्रस्तुत किए। सदस्यों ने होमस्टे, ट्रैकिंग ट्रैक्शन और गैर वाहन मद की सभी पत्रावलियों को संस्तुत किया। वाहन मद के प्रकरणों में 6 आवेदक अनुपस्थित रहे। (एजेंसी)

जवानों की शहादत पर गहरा दुख जताया

देहरादून। उत्तराखंड पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता अशोक वर्मा ने कठुवा में आतंकी हमले में जवानों की शहादत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने शहीद जवानों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने उत्तराखंड के पांच जवानों के शहीद होने को अतुलनीय क्षति बताया और कहा कि देश रक्षा के लिए जवानों की शहादत का प्रत्येक देवभूमिवासी आजीवन ऋणी रहेगा। उन्होंने आतंकी हमले में घायल हुए जवानों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। वर्मा ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के खिलाफ कठोर कार्यवाही निर्णायक दौर में जारी है और भारतीय सेना आंतकियों के इस कायरना हमले का बदला जल्द जरूर लेगी।

कार चोरी के आरोप में दो युवक गिरफ्तार

देहरादून। पुलिस ने कार चोरी के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार सोमवार को अब्दुल निवासी नेहरू कॉलोनी ने थाना क्लेमनटाउन में कार चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। बताया कि उन्होंने अपनी कार क्लेमनटाउन भारूवाला स्थित उनके भाई के घर के सामने खड़ी की थी। कुछ देर में कार चोरी हो गई। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की छानबीन में दो युवकों को कार ले जाते हुए पाया गया। पुलिस ने छानबीन करते हुए मंगलवार को आरोपी समीर पुत्र रईस, जुनैद अली पुत्र तौकीर अली दोनों निवासी बड़ा भारुवाला, क्लेमेंटटाउन को मोहब्बेवाला क्षेत्र से गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से चारी की कार बरामद हई।

शहर की समस्याओं पर भड़की कांग्रेस, निकाली आक्रोश रैली

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शहर में लगातार बढ़ रही जनसमस्याओं पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने रोष व्यक्त किया है। कार्यकर्ता व पदाधिकारियों ने राज्यपाल को ज्ञापन भेजते हुए समस्याओं के निराकरण की मांग उठाई। कहा कि जनता की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंगलवार को कांग्रेसियों ने मालवीय उद्यान से तहसील तक आक्रोश रैली निकाली। इसके उपरांत उपजिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा। जिलाध्यक्ष विनोद डबराल ने कहा कि विगत वर्ष आई आपदा में बहे मालन पुल का निर्माण न होने से भाबर वासियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वैकल्पिक मार्ग भी बह गए हैं। वार्डों में ड्रेनेज सिस्टम सही न होने के कारण वर्षा जल का भराव हो रहा है और पानी लोगों के घरों में घुस रहा है। कार्यकर्ताओं ने नगर निगम के द्वारा लोगों से टैक्स वसूले जाने का भी विरोध किया। कहा कि नगर निगम में शामिल किए गए 35 ग्राम सभाओं से

उपजिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजते कांग्रेसी

अगले दस साल तक टैक्स वसूली न किए जाने की बात कही गई थी। लेकिन, नगर निगम प्रशासन ने संपत्ति कर व भू-कर की वसूली प्रक्रिया शुरू कर दी है। सिंचाई गूलों की मरम्मत तक नहीं की गई है, जिससे काश्तकारों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था भी नहीं हो पाई है और वार्डों में सफाई व्यवस्था चौपट है। ज्ञापन में तमाम समस्याओं के निस्तारण की मांग की गई है। ज्ञापन देने वालों में पूर्व महिला जिलाध्यक्ष रंजना रावत, केशर सिंह चौहान, गोपाल सिंह गुसांई, शंकेश्वर प्रसाद सेमवाल, रमेश चंद्र खंतवाल, राजीव जखमोला, विनोद नेगी, विमल बिष्ट मौजूद रहे।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस चयनित हुआ श्रीदेव सुमन विवि का ऋषिकेश परिसर

ऋषिकेश। उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत प्रदेश के दस उच्च शिक्षण संस्थानों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए चुना गया है, इसमें श्रीदेव सुमन विवि का ऋषिकेश परिसर भी शामिल है। इसको लेकर मंगलवार को श्रीदेव सुमन विवि के कुलपति प्रो. एनके जोशी ने उत्तराखंड राज्यपाल से मुलाकात की। उन्होंने राज्यपाल को विवि द्वारा किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया। मंगलवार को देहरादून में श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विवि के कुलपति प्रो. एनके जोशी ने राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह से मुलाकात की। प्रो. जोशी ने बताया कि विवि द्वारा कुल 24 पेटेंट फाइल किए गए, जिसमें 20 पेटेंट प्रकाशित हो चुके हैं और चार पेटेंट भारत सरकार के पेटेंट विभाग द्वारा मंजूर किए जा चुके हैं।

शहर की समस्याएं हल करने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : नागरिक कल्याण एवं जागरूक विकास समिति ने सोमवार देर शाम को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन देकर शहर की समस्याएं हल करने की मांग है। कहा कि समस्याओं के कारण लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जनहित में जल्द से जल्द समस्याओं का निराकरण किया जाना जरूरी है। ज्ञापन में राजकीय पॉलिटेक्निक भवन का निर्माण कार्य जल्द पूरा करने और इस कार्य में उदासीनता बरतने वाले अफसरों व कर्मचारियों पर कार्रवाई करने, पुरानी जेल परिसर में संग्रहालय स्थापित करने, रांसी स्टेडियम के समीप निर्माणाधीन पर्यटक आवासग्रह का कार्य पूर्ण करवाने व जल्द इसका संचालन करने, ल्वाली झील का थर्ड पार्टी निरीक्षण और आंकलन करवाते हुए मानकों के अनुसार झील का निर्माण कार्य पूरा करवाने, राजकीय स्टेडियम रांसी से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे राज्य के युवाओं को शुल्क में छूट प्रदान करने की मांग उठाई। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष रघुवीर सिंह रावत, गिरीश चंद्र बड़थ्वाल, नरेश चंद्र नौड़ियाल आदि शामिल थे।

श्रीनगर में आयुर्वेदिक अस्पताल खोला जाय

श्रीनगर गढ़वाल : श्रीनगर में आयुर्वेदिक अस्पताल न होने के चलते लोगों को आयुर्वेद इलाज कराने के लिए भटकना पड़ता है। सेवानिवृत्त प्रभारी फार्मेसी अधिकारी दिनेश चंद्र ने श्रीनगर में आयुर्वेदिक अस्पताल खोले जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार आयुर्वेद को बढ़ावा दे रही है। श्रीनगर गढ़वाल का केंद्र है,लेकिन यहां अभी तक भी आयुर्वेदिक अस्पताल नहीं है। लोगों को आयुर्वेद से इलाज कराने के लिए राजधानी की तरफ रूख करना पड़ता है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री डा. धन सिंह रावत से नगर क्षेत्र में उच्च कोटि का आयुर्वेदिक अस्पताल खोले जाने की मांग की। (एजेंसी)

अफसर क्षेत्रीय समस्या का निराकरण अपने स्तर से करें : एसडीएम

एसडीएम तहसील दिवस में शिकायत सुनते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जन समस्याओं के निस्तारण हेतु तहसील मुख्यालय पौड़ी में तहसील दिवस आयोजित किया गया। तहसील दिवस में 09 शिकायतें दर्ज हुई, जिसमें से 02 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया व अन्य शिकायतें संबंधित विभागों को प्रेषित की गई है। एसडीएम ने संबधित अधिकारियों को कहा कि क्षेत्रीय समस्या का निस्तारण अपने स्तर से ही करें, जिससे आम जनमानस को जिला मुख्यालय के चक्कर नहीं काटने पड़ेगें। उन्होंने शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि तहसील क्षेत्रातंर्गत जर्जर विघालय भवनों, विद्यालय में पेयजल व विद्युत की रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

संयुक्त मजिस्ट्रेट अनामिका की अध्यक्षता में तहसील दिवस आयोजित किया गया। तहसील दिवस में अधिकतर शिकायतें मोटर मार्ग, पशुपालन, पेयजल, शिक्षा, राजस्व विभाग की रही। संयुक्त मजिस्ट्रेट ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि तहसील दिवस में जो शिकायतें दर्ज हुई हैं उनका निस्तारण समय से पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि समस्याओं का निस्तारण कर उसकी आख्या रिपोर्ट भी प्रस्तुत करें। उन्होंने समस्त अधिकारियों को बैठकों में पूर्ण तैयारी के साथ प्रतिभाग करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि क्षेत्र में हो रहे विभिन्न कार्यों का समय-समय पर निरीक्षण तथा गुणवत्ता के साथ कार्य करना सुनिश्चित करें। जिससे आम जनमानस को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

समस्याओं पर भड़का नागरिक मंच, किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नागरिक मंच ने नगर निगम पर क्षेत्र की समस्याओं का संज्ञान न लेने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को निगम कार्यालय में प्रदर्शन किया। कहा कि यदि जल्द समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ तो सदस्य जन आंदोलन को मजबूर होंगे।

प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि मंच की ओर से क्षेत्र की समस्याओं को बार-बार उठाने के बाद भी निगम की ओर से समाधान पर ध्यान नहीं दिया गया, इसलिए मंच को धरना प्रदर्शन करने को मजबूर होना पड़ रहा है। मंच की ओर से निगम क्षेत्र में शौचालयों की सफाई, मालवीय उद्यान से कूड़े की गाड़ियों को हटवाने, सुमन मार्ग और कैंटीन मार्ग से अतिक्रमण हटाने सहित अन्य समस्याओं को लेकर समय-समय पर निगम अधिकारियों को ज्ञापन सौंपे गए थे, लेकिन निगम अधिकारियों के आश्वासन के बाद भी अभी तक कोई कार्रवाई नहीं

कोटद्वार नगर निगम परिसर में प्रदर्शन करते मंच के सदस्य

हुई है। चेतावनी दी कि समस्याओं का शीघ्र निस्तारण न होने पर धरना प्रदर्शन तेज किया जाएगा। प्रदर्शन करने वालों में मंच अध्यक्ष सीपी नैथानी, महासचिव अतुल भट्ट, महावीर रावत, प्रवेंद्र रावत, सुबोध देवरानी, राजेंद्र पंत, राजेंद्र कोटनाला, दिनेश जुयाल, प्रभाकर ध्यानी और विपुल उनियाल सहित अन्य लोग शामिल रहे।

एएचटीयू ने विद्यार्थियों को किया जागरूक

कोटद्वार में आयोजित कार्यशाला में भाग लेते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह के निर्देश पर मंगलवार को कोटद्वार पुलिस की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने हैप्पी चिल्ड्रन एकेडमी पब्लिक स्कूल में अध्यनरत छात्र-छात्राओं को समाज में फैल रही बुराइयों को लेकर जागरूक किया गया। यूनिट की ओर से छात्रों को नशे के दुष्प्रभाव, महिला संबंधी अपराध, मानव तस्करी, भिक्षावृत्ति और गुड टच, बैड टच के विषय में जानकारी देकर इससे बचने के उपाय बताए गए। साथ ही फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, व्हाट्सएप आदि से संबंधित अपराधों की जानकारी तथा बचाव एवं साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930, आपात सहायता नंबर-112, उत्तराखंड पुलिस एप के गौरा शक्ति मोड्यूल में सेल्फ रजिस्ट्रेशन करने के बारे में जानकारी दी।

जीजीआईसी ख़त्म हुआ फुलब्राइट टीजीसी प्रशिक्षण

देहरादून। जीजीआईसी राजपुर रोड में चल रहा फुलब्राइट टीचिंग एक्सीलेंस एंड अचीवमेंट (टीईए) कार्यक्रम मंगलवार को समाप्त हो गया। इस दौरान प्रिंसिपल प्रेमलता बोड़ाई ने कार्यक्रम की सराहना की। कहा इस कार्यक्रम से छात्राओं के साथ शिक्षकों को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि अमेरिका से आए शिक्षकों ने इस कार्यक्रम ने गणित और विज्ञान में गेमिफिकेशन के माध्यम से सीखने की नई नई तकनीके बताई। जिससे कक्षाओं में ताजगी और रुचि बनी रही और यह छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए लाभदायक रहा।

फुलब्राइट शिक्षकों ने मेज़बान शिक्षक रमेश बडोनी के साथ मिलकर इस पहल का नेतृत्व किया। 12वीं कक्षा के विज्ञान के छात्रों को भौतिकी पढ़ाने वाले बड़ोनी की अभिनव शिक्षण विधियां फुलब्राइट शिक्षकों की विशेषज्ञता के साथ मिलकर एक गतिशील लर्निंग वातावरण बनाया।

मतदाता सूची में नाम है पर वोटर कार्ड नहीं, तो ऐसे करें मतदान

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : वोट देने के लिए मतदाता के पास वोटर आईडी होना चाहिए। लेकिन यदि आपके पास वोटर कार्ड नहीं है और आपका नाम अपने बूथ की मतदाता सूची में दर्ज है तो आप भी अपने बूथ पर वोट दे सकते है। इसके लिए आप को निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित 12 दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज साथ ले जाना आवश्यक है। इन 12 दस्तावेजों में आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैक या डाकघर द्वारा जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर के अंतर्गत आरजीआई

द्वारा जारी किए गए स्मार्ट कार्ड, पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केंद्र व राज्य सरकार, लोक उपक्रम, पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किए गए सेवा पहचान पत्र, यूडीआईडी कार्ड शामिल है।

रुद्र सेना की चकराता कोर कमेटी के मनीष बने अध्यक्ष

विकासनगर। आर्य समाज मंदिर में मंगलवार को रुद्र सेना की बैठक में विकासनगर बाजार में कानून व्यवस्था के ध्वस्त होने पर चिंता जाहिर की गई। इसके साथ ही नई कार्यकारिणी का गठन भी किया गया। नव गठित कार्यकारिणी ने सनातन और राष्ट्र की रक्षा का संकल्प लिया।

बैठक में सर्वसम्मति से चकराता रुद्र सेना कोर कमेटी के अध्यक्ष पद पर मनीष रावत, महामंत्री सचिन खन्ना, दिनेश चौहान, राहुल चौहान, प्रवीन रावत, उपाध्यक्ष अंकित तोमर, विपिन जोशी, सुनील, समिति के सदस्य पद पर जयदीप राणा, पवन कुमार, रोहित चौहान आदि नियुक्त किए गए। पालक पद पर अजय तोमर, ऋषभ तोमर, संयोजक के पद पर गजेंद्र सिंह राणा, पूरण सिंह राणा, जयपाल सिंह चौहान, राजेन्द्र चौहान, दिनेश राठौर, विधिक सलाहकार के पद पर अधिवक्ता अनिल राय और प्रताप सिंह नेगी को चुना गया।

सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम का माह जुलाई का रोस्टर जारी

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी के निर्देशन में सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय अधिकारी जनपद के गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं का निस्तारण करेंगे। इसके साथ ही शासन द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी से भी ग्रामीणों को अवगत कराएंगे।मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद के विभिन्न ग्रामों में अधिकारियों हेतु माह जुलाई, 2024 का रोस्टर जारी किया गया है। बताया कि अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा विकासखंड अगस्त्यमुनि की ग्राम पंचायत कर्णधार में ग्रामीणों के साथ बैठक करेंगे। इसी तरह प्रभागीय वनाधिकारी अभिमन्यु विकासखंड अगस्त्यमुनि की ग्राम पंचायत कोट में, परियोजना निदेशक विमल कुमार सांदर गांव में ग्रामीणों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं का निस्तारण करेंगे। उन्होंने बताया कि विकासखंड जखोली की ग्राम पंचायत जवाड़ी में जिला विकास अधिकारी अनीता पंवार, बीरोंदेवल में मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रमेंद्र सिंह बिष्ट, उप जिलाधिकारी जखोली भगत सिंह फोनिया पालाकुराली, उप जिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल कुमार शुक्ला विकासखंड ऊखीमठ के उषाड़ा गांव में, उपजिलाधिकारी रुद्रप्रयाग आशीष घिल्डियाल विकासखंड जखोली के सेम गांव में तथा प्र. जिला सूचना अधिकारी रती लाल मोसड़ गांव में ग्रामीणों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं का निदान करने हेतु संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित करेंगे।

स्ट्रीट फूड वेंडर अच्छा और स्वच्छ खाना दें

देहरादून। सुभाष रोड स्थित एक होटल में मंगलवार को खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन व नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स की ओर से सर्व सेफ फूड नाम से कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसमें स्ट्रीट फूड वेंडर्स को स्वच्छ भोजन लोगों को परोसने के लिए प्रशिक्षण और जागरूक किया जा रहा है। पूरे प्रदेश में इस कार्यक्रम को चलाया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि बरसात के सीजन में लोगों को अच्छा खाना परोसे, ताकि लोग बीमारियों से दूर रहें। खाना बनाने से लेकर लोगों को परोसने तक में स्वच्छता का खास ख्याल रखा जाएं। इस प्रशिक्षण सत्र की शुरुआत अपर आयुक्त ताजबर सिंह जग्गी, उपायुक्त जीसी कंडवाल ने किया। इस दौरान ज्वाइंट कमिश्नर आरके सिंह, डिप्टी कमिश्नर नगर निगम गोपाल राम बिनवाल, नासवी से साक्षी अग्रवाल, विशाल गर्ग, शहर के बड़ी संख्या में स्ट्रीट वेंडर मौजूद रहे।

डेंगू की रोकथाम के लिए गंभीरता से कार्य करें : डीएम

जिलाधिकारी ने एनआईसी कक्ष में डेंगू की रोकथाम की बैठक ली

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने एनआईसी कक्ष में डेंगू की रोकथाम से संबंधित बैठक ली। उन्होंने समस्त नगर निकाय व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिये। कहा कि बताये जाने के बावजूद भी बार-बार लापरवाही करता है तो उसका अधिनियम के अन्तर्गत चालान करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी नगर निकाय अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित रूप से साफ-सफाई, कूड़े का जल्दी निस्तारण और पानी की निकासी दुरस्त करें।मंगलवार को आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने नगर

डीएम डॉ. आशीष चौहान बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

निगम कोटद्वार, श्रीनगर, नगर पालिका जोंक, स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि डेंगू-मलेरिया की अधिक संभावित क्षेत्रों को चिन्हित करें। कहा कि बीते वर्ष जिन क्षेत्रों में डेंगू के मामले अधिक आए हैं उन क्षेत्रों में ध्यान देते हुए रोकथाम की कार्यवाही करें। जिलाधिकारी ने समस्त निकाय (नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत) तथा स्वास्थ्य विभाग को अपने-अपने क्षेत्र में सभी घरों और अन्य सरकारी व गैर सरकारी भवनों का मौके पर जाकर निरीक्षण करते हुए वहां गंदगी व जल भराव की स्थिति बनी रहती है तो उसे तत्काल ठीक करें। उन्होंने कहा कि आम जनमानस को जागरूक करते हुए अपने आस-पास पानी जमा न होने दें। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कहा कि लोगों के घरों में लगे गमलों, प्लास्टिक व रबड़ के टायर–डिब्बों सहित अन्य में जमा पानी को खाली करायें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि सभी जगह डेंगू-मलेरिया के इलाज की पर्याप्त व्यवस्था करें और यदि कोई गंभीर मामला आता है तो उसका समुचित इलाज करें। इसके साथ ही विद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में भी डेंगू-मलेरिया से बचाव के प्रति पोस्टर व विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जागरूक करें। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. प्रवीण कुमार, संयुक्त मजिस्ट्रेट अनामिका, प्रशिक्षु आईएएस दीक्षिका जोशी व समस्त उपजिलाधिकारी व नगर निकाय के अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े थे।

सतपुली झील निर्माण को नाबार्ड से 5634.97 लाख स्वीकृत : महाराज

शासन से वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति के बाद जल्द होगा निर्माण कार्य शुरू

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : नाबार्ड द्वारा सतपुली झील निर्माण योजना की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। स्वीकृति की प्रत्याशा में इसकी टेंडर प्रक्रिया पूर्व में ही पूरी की जा चुकी है। शासन द्वारा वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात शीघ्र ही कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश के सिंचाई मंत्री और चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज ने बताया कि नाबार्ड द्वारा 5634.97 लाख की लागत से बनने वाली महत्वपूर्ण सतपुली झील

निर्माण योजना की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। झील निर्माण की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति हेतु शासन को भेज दी गई है। सिंचाई मंत्री श्री महाराज ने कहा कि सतपुली झील निर्माण की स्वीकृति की प्रत्याशा में इसके निर्माण की टेण्डर प्रक्रिया पूर्व में ही पूर्ण की जा चुकी है। शासन द्वारा वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात शीघ्र ही सतपुली झील का निर्माण कार्य प्रारंभ करने के आदेश कर दिए जाएंगे।

उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताते हुए कहा कि सतपुली झील निर्माण मुख्यमंत्री धामी की भी शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल था इसलिए इसके निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो पाया है। वर्ष 2017 में सिंचाई एवं पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज अपनी विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल के तहत सतपुली में एक झील निर्माण का प्रस्ताव रखा। महाराज की सोच थी कि इस झील के बनने से सतपुली में वाटर स्पोर्ट्स एक्टिविटीज शुरू होंगी और लैंसडाउन व देवप्रयाग क्षेत्र में आने वाले सैलानियों का फुटफॉल सतपुली व नयार घाटी की तरफ बढ़ेगा क्योंकि सतपुली जहां लैंसडाउन से 30 किमी. व देवप्रयाग से 40 किमी. की दूरी पर स्थित है, ऐसे में पर्यटक आसानी से सतपुली आकर झील में नौकायन व वाटर स्पोर्ट्स का आनंद ले सकेंगे और यहां के युवाओं को रोजगार मिलेगा। 2022 में जब पूनरू राज्य में भाजपा सरकार सत्तारुढ़ हुई और सतपाल महाराज को पर्यटन के साथ साथ सिंचाई महकमें की कमान मिली तो उन्होंने इसे अपनी प्राथमिकताओं रखते हुए प्रयास शुरू कर दिए, अंततः उनके इस ड्रीम प्रोजेक्ट को नाबार्ड से 5634.97 लाख की धनराशि के बजट स्वीकृति मिलने के बाद सतपुली झील के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

राज्यपाल ने ली प्रदेश के कई जनपदों में हो रही भारी बारिश से उत्पन्न स्थिति की जानकारी

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने सोमवार को राजभवन में सचिव आपदा प्रबंधन विनोद कुमार सुमन से मानसून–2024 के अद्यतन जानकारी ली। राज्यपाल ने प्रदेश के कई जनपदों में हो रही भारी बारिश से उत्पन्न स्थिति की जानकारी ली। राज्यपाल ने कहा कि पिछले अनुभवों से सीख लेते हुए संभावित चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी तैयारी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान जानमाल का नुकसान कम से कम हो इसके लिए विशेष प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया आदि के माध्यम से चलायी जाने वाली फेक न्यूज का खंडन कर ऐसे लोगों के खिलाफ कार्यवाही की जाए। राज्यपाल ने कहा कि संभावित आपदा, भूस्खलन और जलभराव जैसे स्थानों में अलर्ट रहने के निर्देश अधिकारियों को दिए जाएं जिससे लोगों को कम से कम परेशानियों का सामना करना पड़े। सचिव आपदा प्रबंधन ने इस दौरान राज्यपाल को वर्षा के अद्यतन स्थिति, नदियों तथा बैराज के जलस्तर, मानसून के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कों की स्थिति का विवरण, सड़क दुर्घटनाओं में मानव क्षति, विभिन्न स्थलों पर हुए भूस्खलन आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

मानसून काल में अधिकारियों, कर्मचारियों की लापरवाही नहीं की जाएगी बर्दाश्त : धामी

मुख्यमंत्री ने टनकपुर, बनबसा के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण, बाढ़ प्रभावितों की सुनी समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को टनकपुर, बनबसा के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय एवं हवाई सर्वेक्षण कर बाढ़ प्रभावितों से मिलकर उनकी समस्यायें सुनी। मुख्यमंत्री ने आयुक्त कुमाऊं एवं जिलाधिकारी को निर्देश दिये कि जनपद में अतिवृष्टि से हुए नुकसान का आंकलन कर पीड़ितों को मुआवजा धनराशि का वितरण सुनिश्चित किया जाए।

विगत दिनों में हुई भारी बारिश के चलते जनपद चंपावत में हुए नुकसान के साथ ही मैदानी क्षेत्रों में जलभराव से हुए नुकसान व प्रभावितों से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी टनकपुर व बनबसा पहुंचे और अधिकारियों से हुए नुकसान की जानकारी लीं। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर प्रभावितों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी व अधिकारियों से आपदा के कारण हुए क्षति, नुकसान की जानकारी ली और आश्वस्त किया की भारी बारिश के कारण प्रभावित लोगों को जो भी नुकसान हुआ है उसकी भरपाई सरकार द्वारा की जायेगी। उन्होंने कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत एवं जिलाधिकारी नवनीत पांडे को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश देते हुए कहा कि

तत्काल प्रभावितों को सहायता राशि वितरित करने के साथ ही रिस्टोरेशन के कार्य तत्परता से किये जाए। स्थलीय भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने सैलानीगोठ, शारदा घाट पहुंचकर जल भराव के साथ ही अन्य प्रकार से प्रभावित लोगों से वार्ता कर भरोसा दिलाया कि सरकार इस आपदा की घड़ी में प्रभावित लोगों की सहायता हेतु प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने बताया कि टनकपुर, बनबसा क्षेंत्रों में जो ड्रेनेज की समस्या के स्थाई समाधान हेतु धनराशि अवमुक्त कर दी जायेगी, जिससे यहा के लोगों को ड्रेनेज की समस्या से निजात मिल जायेगा। उन्होंने सिचाई विभाग को किरोड़ा नाला के डाईवर्जन के लिए बृहद कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिये, ताकि किरोड़ा नाला का पानी आबादी क्षेत्र में ना जाये और लोगों को किसी भी प्रकार का नुकसान न हो। उन्होंने सड़कों पर आये मलवा, बोल्डर आदि के निस्तारण की कार्यवाही तुरन्त करने के निर्देश सड़क निर्माण विभागों के अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि किरोड़ा पुल से लेकर बाटनगाढ़ तक यदि मलवे आदि के कारण मार्ग अवरूद्ध हो तो उसके तत्काल खोलने की कार्यवाही करें ताकि माँ पूर्णागिरि के दर्शन हेतु आये श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या न हो। जिलाधिकारी नवनीत पाण्डे ने मुख्यमंत्री को बताया कि भारी बारिश के दौरान सोमवार तक जनपद में 01 जनहानि, 17 गाय तथा 43 बकरियों की हानि हुई है, 02 भवन पूर्ण क्षतिग्रस्त तथा 42 भवन आंशिक क्षतिग्रस्त हुए। उन्होंने बताया कि टनकपुर, बनबसा क्षेत्र में जलभराव से प्रभावित परिवारों को राहत शिविर एवं उनके रिश्तेदारों के यहां पहुंचाया गया है।

एक नजर

कालसी तक किया जाए इलेक्ट्रिक बसों का संचालन

विकासनगर। रायपुर से लांघा रोड तक आने वाली इलेक्ट्रिक बसों का संचालन कालसी तक किए जाने की मांग स्थानीय जन प्रतिनिधियों ने की है। जन प्रतिनिधियों ने स्मार्ट सिटी परिवहन के प्रबंधक को इस बारे में ज्ञापन भेजा है। मंगलवार को भेजे ज्ञापन में जन प्रतिनिधियों ने कहा कि कालसी ब्लॉक के सौ से भी अधिक गांवों से विद्यार्थी सेलाकुई, देहरादून के शिक्षण संस्थानों में हर रोज पढ़ने जाते हैं। इसके साथ ही कई ग्रामीण युवा सरकारी, गैर सरकारी नौकरी के सिलसिले में देहरादून जाते हैं। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत रायपुर से लांघा रोड विकासनगर तक इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जा रहा है। बीते तीन साल से इस रूट पर इलेक्ट्रिक बसें चल रही हैं, लेकिन कालसी ब्लॉक के गांवों में विद्यार्थियों और अन्य ग्रामीणों को इन बस सेवाओं का कोई लाभ नहीं मिल रहा है। कहा कि कालसी से देहरादून के लिए भी कोई सीधी बस सेवा नहीं है, लिहाजा यहां से पहले ऑटो रिक्शा में विकासनगर तक जाना पड़ता है, फिर देहरादून के लिए वाहन मिलता है। सबसे अधिक परेशानी देहरादून से वापस आने में होती है। कई बार देर से वापस आने पर विकासनगर से कालसी के लिए वाहन नहीं मिलता है, ऐसे में 12 किमी पैदल दूरी नापकर लोग अपने घरों तक पहुंचते हैं। बताया कि रात के अंधेरे में 12 किमी की पैदल दूरी नापने में सुरक्षा के लिहाज से भी खतरा है। जबकि लांघा रोड पर इलेक्ट्रिक बसों को सवारियां नहीं मिलती हैं, कई बार ये बसें आधी से भी कम सवारियां लेकर देहरादून जाती हैं। देहरादून से भी सहसपुर तक ही सवारियां इन बसों में बैठती हैं। हरबर्टपुर, विकासनगर, डाकपत्थर, कालसी जाने वाले यात्रियों को बस लांघा रोड पर ही उतार देती है, जहां से आगे जाने के लिए उन्हें अन्य वाहनों का इंतजार करना पड़ता है। जन प्रतिनिधियों ने इलेक्ट्रिक बसों का संचालन कालसी तक करने की मांग की है। ज्ञापन भेजने वालों में क्षेत्र पंचायत सदस्य किरन, ग्राम प्रधान प्रियंका, नीलम चौहान, नेपाल सिंह, जवाहर सिंह, रेखा देवी आदि शामिल रहे।

सात सड़कों पर यातायात बाधित रहा

विकासनगर। बीते एक सप्ताह से लगातार हो रही बारिश के बाद मंगलवार को चकराता में धूप खिलने से लोगों को कुछ राहत मिली। लेकिन सात मोटर मार्गों पर मंगलवार को भी यातायात बाधित रहा। इन सड़कों के बंद होने से ग्रामीणों को भारी दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। धूप खिलने के बावजूद बारिश के कारण उपजी लोगों की मुश्किलें अभी खत्म नहीं हुई हैं। मंगलवार को भी चकराता और कालसी ब्लॉक के लोक निर्माण विभाग अस्थायी खंड चकराता का खारसी मोटर मार्ग दो जगह, रोहटा–अटाल मोटर मार्ग, पुरोड़ी–रावना–डामटा मोटर मार्ग दो जगह यातायात के लिए बाधित रहा। लोनिवि साहिया के अधीन आने वाले कालसी–बैराटखाई मोटर मार्ग, लेल्टा लिंक रोड दो जगह, आरा–अष्टि मोटर मार्ग दो जगह, दुधलानी–बडेथ मोटर मार्ग बडेथ गांव के समीप यातायात के लिए बाधित रहा। इन मार्गों के बाधित रहने से स्थानीय ग्रामीणों का तहसील और ब्लॉक मुख्यालय से संपर्क कटा रहा। लोगों को आवागमन में भारी परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। पुरोड़ी–रावना–डामटा मार्ग से जुड़े ग्रामीण अति आवश्यक कार्य के चलते पैदल चकराता पहुंचे। वहीं सड़कों के बाधित रहने से किसानों की नगदी फसलें भी घरों से मंडी तक नहीं पहुंच पाईं। लोक निर्माण विभाग चकराता के सहायक अभियंता आदित्य ठाकुर ने बताया कि सभी मार्गों को खोलने के लिए जेसीबी लगाई गई है। रात तक सभी मार्गों पर यातायात बहाल कर दिया जाएगा।

अभाविप ने स्थापना दिवस पर मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

विकासनगर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मंगलवार को स्थापना दिवस पर मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज नई यमुना कॉलोनी डाकपत्थर में आयोजित कार्यक्रम में विकासनगर ब्लॉक के छात्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अभाविप के प्रांत कोषाध्यक्ष डॉ. रमाकांत ने कहा कि परिषद शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने के साथ ही छात्रों में संस्कार, चरित्र निर्माण पर भी जोर देता है। उन्होंने कहा कि छात्रों को शिक्षा ग्रहण करने के साथ ही सामाजिक और राष्ट्रहित के कार्यों में भी योगदान देना चाहिए। छात्रों के युवाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए कहा कि साजिश के तहत पछुवादून क्षेत्र में नशे का अवैध कारोबार फैलाया जा रहा है।

कोरोना में मृत अनाथों की आत्मशांति को शांति पाठ किया

ऋषिकेश। सुखमनी सेवा ट्रस्ट एप्स फाउंडेशन और माविनि केयर ट्रस्ट ने मंगलवार को शांति पाठ व पूजन किया, जिसके जरिए कोरोना में मृत एक हजार आश्रितों की आत्म शांति की प्रार्थना की गई। मंगलवार को परमार्थ निकेतन में सुखमनी सेवा ट्रस्ट एप्स फाउंडेशन व माविनि केयर ट्रस्ट ने शांतिपाठ कार्यक्रम आयोजित किया।

परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा कि काल की मर्यादा है, प्रभु का विधान है जिसे सभी को स्वीकार करना होता है। पूरी दुनिया ने कोरोना का कहर देखा। उस समय अनेकों को असमय मौत का सामना करना पड़ा और कई तो असमय काल के गाल में समा गये। उन सब की अस्थियां आज तक शमशान घाट में ही पड़ी हुई थी, जिन्हें ठीक से अंतिम संस्कार भी नसीब नहीं हुआ।

नथुवावाला में मेधावी छात्राओं को दी गई छात्रवृत्ति

देहरादून। भागीरथी मेमोरियल ध्यानी एजुकेशन सोसाइटी की ओर से मेधावी छात्राओं को छात्रवृत्ति दी गई। मंगलवार को सरस्वती शिशु मंदिर नथुवावाला में छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह छात्रवृत्ति सोसाइटी की ओर से स्व.कैप्टन वाईपी ध्यानी की स्मृति में दी जाती है। इस मौके पर कठुवा के शहीदों को भी श्रद्धांजलि दी गई। मुख्य अतिथि प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि स्कूल–कालेजों में किताबी शिक्षा के अलावा नैतिक शिक्षा पर भी जोर देना चाहिए जो आजकल लगभग समाप्त कर दी गई है। धस्माना ने कहा कि मेधावी छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहित करने का काम करने वाली सामाजिक संस्थाओं की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। स्वर्गीय कैप्टन वाई पी ध्यानी जैसे समाज के लिए समर्पित व्यक्तित्व की स्मृति में दी जाने वाली छात्रवृति एक सराहनीय प्रयास है। विशिष्ट अतिथि निवर्तमान मेयर सुनील उनियाल गामा ने कहा कि स्व. कैप्टन वाईपी ध्यानी का देहरादून के ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक और शैक्षणिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आज सोसाइटी उनके कार्यों को आगे बढ़ा रही है। कार्यक्रम संयोजिका शोभा ध्यानी ने कहा कि इस साल छह छात्राओं को यह छात्रवृत्ति दी जा रही है। इस मौके पर कक्षा नौ की श्रद्धा सोनी, कक्षा 10 के प्रेरणा कुकरेती, प्रियांशी, कक्षा 11 खुशबू, कक्षा 12 आरूषि नेगी और आंचल को छात्रवृत्ति दी गई। इस मौके पर शंभू प्रसाद भट्ट, रोशन लाल, अशोक पंवार, प्रेम चमोला, जितेंद्र मियां, विनय भट्ट, शीशपाल सिंह रावत, शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य सुनील गौड़, आईबी के पूर्व उपाधीक्षक अनिल डंडरियाल, बसंत कुमार, दौलत राम जोशी, पीयूष ध्यानी, रिया ध्यानी, पीयूष डंडरियाल मौजूद रहे।

डिप्लोमा इंजीनियर ग्रामीण निर्माण विभाग में अनशन पर बैठे

देहरादून। ग्रामीण निर्माण विभाग के देहरादून स्थित मुख्य अभियंता कार्यालय पर डिप्लोमा इंजीनियर का क्रमिक अनशन दूसरे दिन भी जारी रहा। मंगलवार को अनशन पर नैनीताल और उधमसिंहनगर के डिप्लोमा इंजीनियर बैठे। वह नौ सूत्रीय मांगों के साथ ही विभागीय पुनर्गठन की मांग कर रहे हैं। रायपुर के तपोवन रोड स्थित मुख्य अभियंता कार्यालय पर धरने पर बैठे डिप्लोमा इंजीनियर संघ ग्रामीण निर्माण विभाग के पदाधिकारियों ने कहा कि शासन स्तर पर उनकी मांगों पर गौर नहीं किया जा रहा है। विभागीय पुनर्गठन को लेकर दो साल पहले मंत्री सतपाल महाराज पहले घोषणा भी कर चुके थे, बावजूद इसके उस पर अमल नहीं किया गया। मंगलवार को क्रमिक अनशन पर चंद्र सिंह चिलवाल, कुंदन सिंह बधानी, वीके सिंह बैठे। अभी क्रमिक अनशन दो और दिन चलना है।

बद्रीनाथ एवं मंगलौर विधानसभा में उपचुनाव के लिए सभी पोलिंग पार्टियां अपने गंतव्यों के लिए रवाना

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी.आर.सी पुरुषोत्तम के निर्देशों के क्रम में बद्रीनाथ एवं मंगलौर विधानसभा में उपचुनाव को लेकर उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी सुश्री मुक्ता मिश्र एवं सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास ने संयुक्त रूप से मीडिया ब्रीफ़िंग की।

उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी सुश्री मुक्ता मिश्र ने बताया कि बुधवार को विधानसभा क्षेत्र बद्रीनाथ एवं मंगलौर में सकुशल मतदान संपन्न कराने हेतु सभी पोलिंग पार्टियों को रवाना कर दिया गया है। बताया कि दोनों विधानसभा के उपचुनाव को संपन्न कराने हेतु लगभग 4200 कार्मिकों को ड्यूटी पर लगाया गया है। सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास ने बताया कि

बद्रीनाथ क्षेत्र में जिन स्थानों पर लैंडस्लाइड के कारण सड़क मार्ग अवरुद्ध है उन स्थानों पर पर्याप्त मानवबल लगाकर पोलिंग पार्टियों को पैदल मार्ग से पोलिंग स्टेशनों तक पहुंचा दिया गया है। इसके अलावा मतदान कार्मिकों के लिये रिजर्व वाहनों की भी व्यवस्था की गई है। सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि बद्रीनाथ एवं मंगलौर विधानसभा उपचुनाव के दौरान सी-विजिल के माध्यम से 624 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें 623 शिकायतों का समाधान किया गया है, जबकि एक शिकायत आरओ द्वारा निरस्त कर दी गई। इसके अलावा उन्होंने बताया कि उपचुनाव में 15 लाख 95 हज़ार कैश समेत कुल 32 लाख रुपए क़ीमत की शराब एवं मादक पदार्थ सीज किए गए।

9 हाई एल्टीट्यूड पोलिंग स्टेशन स्थापित

सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास ने जानकारी देते हुए बताया कि बदरीनाथ विधानसभा क्षेत्र के सीमांत क्षेत्रों में पहली बार 9 हाई एल्टीट्यूड पोलिंग स्टेशन स्थापित किए गए हैं, जिनमें 17 गावों के 3838 मतदाता मतदान करेंगे। उत्तराखण्ड बनने के बाद से सामान्य रूप से विधानसभा एवं लोकसभा चुनावों के दौरान शीतकाल में इन क्षेत्रों में स्थानीय मतदाताओं द्वारा प्रवास ना किए जाने की स्थिति में उनके ग्रीष्मक़ालीन प्रवास वाले गाँवों में मतदान की व्यवस्था की जाती थी।

मतदाताओं के स्वागत के लिए तैयार मतदान केंद्र, मॉडल बूथों पर रहेगी खास व्यवस्था

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : बद्रीनाथ विधानसभा उप चुनाव के लिए बुधवार को सुबह 8:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक मतदान होगा। मतदान के लिए प्राथमिक विद्यालय परसारी और डुमक को यूनिक बूथ, प्राथमिक विद्यालय गोपेश्वर गांव और अल्कापुरी को मॉडल बूथ, राइका गोपेश्वर में महिला बूथ, प्राथमिक विद्यालय को कुंड दिव्यांग बूथ और आदर्श प्राथमिक विद्यालय पोखरी को यूथ पोलिंग बूथ बनाया गया है। इन बूथों पर मतदाताओं को घर जैसा माहौल देने का प्रयास किया जाएगा। मॉडल बूथों पर खान-पान और बैठने की समुचित व्यवस्था के साथ ही दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं के लिए मतदान की अलग से व्यवस्था रहेगी। मतदाताओं को सुखद अहसास के लिए मॉडल बूथों को अच्छे से सजाया गया है। मॉडल बूथों में महिला, युवा एवं दिव्यांग मैनेज बूथ और यूनिक बूथ शामिल है। महिला प्रबंधन वाले बूथों पर सभी कार्मिक महिला, दिव्यांग प्रबंधन बूथ पर दिव्यांग और युवा बूथ पर सभी युवा कार्मिक तैनात किए गए है।

प्रदेश की कानून व्यवस्था पर उक्रांद ने उठाए सवाल

देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल ने उत्तराखंड की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए। उक्रांद संरक्षक काशी सिंह ऐरी ने डीजीपी अभिनव कुमार से मिल कर कानून व्यवस्था की स्थिति को चिंताजनक बताया। जल्द सभी अपराधों का खुलासा करने पर जोर दिया। पुलिस मुख्यालय में डीजीपी से मुलाकात करते हुए काशी सिंह ऐरी ने कहा कि आज प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है। बड़े अपराधों का खुलासा नहीं हो रहा है। अंकित भंडारी हत्याकांड, रवि बडोला गोलीकांड की उच्च स्तरीय जांच हो। सिद्धोवाला जेल में हुई रणबीर रावत की मौत की भी गहन जांच की जाए। कहा कि हरिद्वार में सुमित अरोड़ा की गाड़ी को जलाने वाले व्यक्ति को नहीं पकड़ा जा रहा है। जबकि वो सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है। उसको अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया। इससे अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।

सीडीओ अध्यक्षता में हुई स्वच्छता ग्रीन लीफ सिस्टम के सम्बन्ध में बैठक आहूत

देहरादून। जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान की अध्यक्षता में स्वच्छता ग्रीन लीफ सिस्टम के सम्बन्ध में बैठक आहूत की गई। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय एवं पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार ग्राम पंचायत के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र में आतिथ्य सुविधाओं यथा होटल, रिसार्ट, होमस्टे, धर्मशाला आदि में स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग प्रणाली के तहत् रेटिंग दी जानी है। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित किया कि योजना के अन्तर्गत होटल,/होमस्टे,/ लॉज/धर्मशालाओं को उपलब्ध कराये गए आवेदन के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करते हुए आवेदन पर पारदर्शिता के साथ सत्यापन कराते हुए निर्धारित मानकों के अनुसार रेटिंग दी जाए। इसके लिए उन्होंने स्वजल परियोजना द्वारा सत्यापन उप समिति को स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग सिस्टम हेतु ऑनलाईन प्रशिक्षण आयोजित किये जाने की व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला पर्यटन विकास अधिकारी एवं सम्बन्धित रेखीय विभागों के अधिकारियों को योजना का प्रचार–प्रसार करते हुए प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। ज्ञातब्य है कि योजना अन्तर्गत संस्थानों को फीकल स्लज प्रबन्धन(मानव मल का सुरक्षित निस्तारण, ठोस कचरा प्रबन्धन, भूरा जल प्रबन्धन पर अंक दिए जाते है, जिसके अनुसार होटल, रिसार्ट, होमस्टे, धर्मशाला आदि को प्राप्त अंको के अनुसार रेटिंग दी जाती है। जनपद देहरादून एवं नैनीताल में इस योजना पर पायलेट प्रोजेक्ट के अन्तर्गत कार्य किया जा रहा है।

पर्यावरण को बचाने के लिए बीज बम अभियान का शुभारंभ

देहरादून। बीज बम अभियान की शुरुआत मंगलवार को फूलचंद नारी शिल्प मंदिर गर्ल्स इंटर कॉलेज देहरादून से हो गई है। छात्राओं ने बैलून उड़ाकर इस अभियान का आगाज किया। पर्यावरण संरक्षण के लिए इस अभियान के तहत राज्यभर में 15 जुलाई तक बीज बम जंगलों में डाले जाएंगे। अभियान की शुरुआत एचएनबी केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाज शास्त्र एवं समाज कार्य विभाग, मानव विज्ञान विभाग, पर्वतीय विकास शोध केंद्र, फूलचंद नारी शिल्प मंदिर गर्ल्स इंटर कॉलेज, सेव हिमालय मूवमेंट और जाड़ी संस्थान ने सयुक्त रूप से की। इस दौरान छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम भी पेश किए। अभियान के प्रणेता द्वारिका प्रसाद सेमवाल ने कहा कि हरियाली बढ़ाने, मानव और वन्य जीवों के बीच बढ़े संघर्ष कम करने के लिए यह अभियान साल मनाया जाता है। अभियान के माध्यम से बच्चों को खेल खेल में पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही सरकार से इस अभियान को अपने कार्यक्रम में शामिल करने की बात की गई। वन्य जीवों के लिए जंगलों में भोजन की व्यवस्था करने का एक मात्र उपाय बीज बम है। प्रो. किरन डंगवाल ने कहा कि जंगलों में खाद्य श्रृंखला के छिन्न भिन्न होने के कारण कृषि एवं आर्थिकी निरंतर प्रभावित हो रही है, बड़े स्तर पर यदि वन क्षेत्र में बीज बम डाले जाते हैं तो यह समस्या का समाधान है।

अवैध पातन की जांच को नराया पहुंचे अधिकारी

विकासनगर।कालसी ब्लॉक के नराया गांव से फेडोलानी मोटर मार्ग की कटिंग के दौरान अवैध रूप से पेड़ काटने की शिकायत पर मंगलवार को तहसील प्रशासन, वन विभाग, लोनिवि की संयुक्त टीम जांच के लिए मौके पर पहुंची। सड़क कटिंग के दौरान सिविल वन क्षेत्र से कई पेड़ों को काटे जाने की शिकायत पूर्व प्रधान श्रीचंद तोमर ने जिलाधिकारी से की थी।शिकायतकर्ता का आरोप है कि इससे पूर्व भी मौके पर तहसील प्रशासन, वन विभाग, लोनिवि की टीम ने संयुक्त निरीक्षण कर कटान के मामले में सात पेड़ों का जुर्माना ग्रामीणों पर लगाया है। जबकि अन्य पेड़ों के कटान पर कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई है।

उत्तराखंड 2025 तक देश का विकसित राज्य बनेगा: सांसद

विकासनगर। टिहरी की सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह ने कहा है कि 2025 तक उत्तराखंड देश का विकसित राज्य बनेगा। भाजपा ने मंगलवार को जीवनगढ़ स्थित एक वेडिंग प्वाइंट में मतदाता अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में टिहरी सांसद ने मतदाताओं का स्वागत और अभिनंदन करने के साथ ही अगले पांच की योजनाओं की जानकारी दी। सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह ने कहा कि केंद्र में तीसरी बार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का गठन देश के मतदाताओं की सूझबूझ का नतीजा है। मतदाताओं ने व्यक्तिगत हितों के बजाय राष्ट्र हित को सर्वोपरि मानते हुए भाजपा प्रत्याशियों को वोट देकर संसद में पहुंचाया। उन्होंने कहा कि अब डबल

इंजन की सरकार साल 2025 में उत्तराखंड को देश के विकसित राज्य की श्रेणी में शामिल करने की ओर अग्रसर हो गई है। प्रदेश सरकार ने इसकी शुरुआत पांच साल पहले ही कर दी थी। युवा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में विकास की गति में तेजी आई है। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री का उत्तराखंड से विशेष लगाव है, लिहाजा यहां की विकास योजनाओं की निगरानी प्रधानमंत्री खुद करते हैं। कहा कि लगातार तीसरी बार मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने से विपक्ष बौखलाया हुआ है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सनातन और हिंदू धर्म के बारे में बिना सोचे समझे बयानबाजी कर रहे हैं। विधायक मुन्ना सिंह चौहान ने कहा कि विकासनगर विधानसभा में डबल इंजन की सरकार ने ऐतिहासिक विकास कार्य किए हैं। कुछ लोग सिर्फ कॉस्मेटिक विकास कर खुद को विकास का पुरोधा मानने लगे थे, लेकिन अब जनता के सामने सच्चाई आ गई है। कार्यक्रम के दौरान सत्तर प्रतिशत से अधिक वोट जिन बूथों पर भाजपा को प्राप्त हुए हैं,

उप चुनाव के लिए सभी 210 पोलिंग पार्टियां हुई रवाना, आज होगा मतदान

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : बद्रीनाथ विधानसभा उप चुनाव के लिए सभी 210 पोलिंग पार्टियां रवाना हो चुकी है। जिला निर्वाचन अधिकारी हिमांशु खुराना की निगरानी में मंगलवार को 193 पोलिंग पार्टियों को चुनाव सामग्री के साथ स्पोर्ट्स स्टेडियम गोपेश्वर से उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया। इससे पूर्व सोमवार को रवाना की गई 17 पोलिंग पार्टियां सकुशल पहुंच चुकी है। विधानसभा उप चुनाव के लिए 10 जुलाई, 2024 को मतदान होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने पोलिंग पार्टियों को शुभकामनाएं देते हुए निर्वाचन दायित्वों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए। पोलिंग पार्टियों की रवानगी के दौरान सामान्य प्रेक्षक अनीता रामाचन्द्रन, अपर जिला

निर्वाचन अधिकारी अभिनव शाह, उप जिला निर्वाचन अधिकारी विवेक प्रकाश, रिटर्निंग अधिकारी आरके पांडेय सहित सभी नोडल अधिकारी मौजूद थे। मतदान समाप्ति के बाद उसी दिन शाम को 83 पोलिंग पार्टियां वापस आएंगी। जबकि 127 पोलिंग पार्टियां एक दिन बाद 11 जुलाई को वापसी करेंगी। सभी पोलिंग पार्टियों द्वारा पीजी कॉलेज गोपेश्वर में स्थित स्ट्रांग रूम में निर्धारित काउंटर पर मतदान सामग्री जमा कराई जाएगी। निष्पक्ष चुनाव के लिए 105 मतदेय स्थलों से वेबकास्टिंग की व्यवस्था भी की गई है। मतदाताओं को आकर्षित करने और उनकी सुविधा के लिए जिले में आदर्श दिव्यांग, युवा, महिला और यूनिक बूथ भी बनाए गए है। बद्रीनाथ विधानसभा में 102145 मतदाता पंजीकृत है। इसमें पुरुष 52485, महिला 49658 तथा 02 थर्ड जेंडर है। इसके अतिरिक्त 2566 सर्विस मतदाता है। बद्रीनाथ विधानसभा में 990 दिव्यांग और 85 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 734 मतदाता है। उप चुनाव को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने बद्रीनाथ विधानसभा में 08 जोनल एवं 53 सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए है। बद्रीनाथ विधानसभा के अंतर्गत 06 शैडो एरिया है। जहां पर कोई भी नेटवर्क नहीं है। इन मतदेय स्थलों पर जिला प्रशासन द्वारा सेटेलाइट फोन की व्यवस्था की गई है।

बद्रीनाथ विधानसभा के अंतर्गत सबसे दूरस्थ मतदेय स्थल डुमक है। सबसे अधिक मतदाता वाला मतदेय स्थल पपडियाणा है, इसमें 1175 मतदाता पंजीकृत है। जबकि सबसे कम मतदाता वाला बूथ पैंका है। यहां पर सिर्फ 65 मतदाता है। बद्रीनाथ विधानसभा के पिछले चुनावों में मतदान प्रतिशत पर नजर डाले तो वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में 59.66 प्रतिशत मतदान हुआ। वही वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत 64.15 रहा। अभी हाल ही में वर्ष 2024 में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में बद्रीनाथ विधानसभा में 57.62 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया। मतदान में सबकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा स्वीप के तहत जागरूकता कार्यक्रम चलाए गए।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com